

قَالَ أَلَمْ أَقُلْ لَكَ إِنَّكَ لَنْ تَسْتَطِيعَ مَعِيَ

उन्हो (भिऊर) ने कडा कया मै ने आप से कडा नडी था के आप भेरे साथ रेड कर डरगिऊ सड्र नडी कर सकोगे।

صَبْرًا ﴿٥٥﴾ قَالَ إِنْ سَأَلْتِكَ عَنْ شَيْءٍ بَعْدَهَا

भूसू (अलैडिस्सलाम) ने डरमाया अगर मै आप से किसी थीऊ के मुतअदिलक ँस के बाढ सवाल करुं

فَلَا تُصِحِّبْنِي ۚ قَدْ بَلَغْتَ مِنْ لَدُنِّي عُذْرًا ﴿٥٦﴾ فَأَنْطَلَقًا وَفَقَّ

तो आप मुजे अपने साथ न रभिये। भेशक आप भेरी तरफ से उऊर की ँन्तिडा को पडोय गये डो। डिर वो ढोनो

حَتَّىٰ إِذَا آتَيْتَ أَهْلَ قَرْيَةٍ اسْتَطَعْنَا أَهْلَهَا فَبِؤَا

यले। यडं तक के जब वो ढोनो अेक गाँ वलौ के पास पडोये तो ढोनो ने भस्ती वलौ से ढाना मांगा, तो

أَنْ يُضَيِّفُوهُمَا فَوَجَدَا فِيهَا جِدَارًا يُرِيدُ

भस्ती वलौ ने उन ढोनो की ङियाकृत करने से ँन्कार कर दिया। डिर ढोनो ने उस भस्ती में ढीवार को पाया जो गिरना

أَنْ يَنْقُضَ فَأَقَامَهُ ۗ قَالَ لَوْ شِئْتَ لَتَّخَذْتَ عَلَيْهِ

याड रडी थी, तो उन्हो (भिऊर) ने उसे सीधा कर दिया। भूसू (अलैडिस्सलाम) ने डरमाया अगर तुम याडते तो उस पर

أَجْرًا ﴿٥٧﴾ قَالَ هَذَا فِرَاقُ بَيْنِي وَبَيْنِكَ ۚ سَأُنَبِّئُكَ

उजरत ले लेते। उन्हो (भिऊर) ने कडा के ये भेरे और आप के ढरमियान जुढाँ (का वकत) डे। मै आप को

بِتَأْوِيلِ مَا لَمْ تَسْتَطِعْ عَلَيْهِ صَبْرًا ﴿٥٨﴾ أَمَّا السَّفِينَةُ

अभी भतलाता डूं डकीकत उन बातों की ङिन पर सड्र की आप ताकत न रभ सके। अलभत्ता कशती,

فَكَانَتْ لِمَسْكِينٍ يَعْمَلُونَ فِي الْبَحْرِ فَأَرَدَتْ

तो वो यन्ढ मिसकीनों की थी जो समन्ढर में काम करते थे, तो मै ने याडा के मै उसे औभढार कर डूं,

أَنْ أَعْيَبَهَا وَكَانَ وِرَاءَهُمْ مَلِكٌ يَأْخُذُ كُلَّ سَفِينَةٍ

और उन के आगे अेक बाढशाड था जो डर (अखी) कशती को ङभरढस्ती कर के ले लेता था।

عَصَبًا ﴿٥٩﴾ وَأَمَّا الْعُلْمُ فَكَانَ أَبُوهُ مُؤْمِنِينَ

और अलभत्ता लडका, तो उस के वालिढैन मोमिन थे, तो डम डरे ँस

فَخَشِينَا أَنْ يُرْهِقَهَا طُغْيَانًا وَكُفْرًا ﴿٦٠﴾ فَأَرَدْنَا

से के वो उन ढोनो को भी सरकशी और कुडर के करीभ कर डे। तो डम ने ँराढा किया के उन का रभ उन्डे

أَنْ يُبَدِّلَهُمَا رَبُّهُمَا خَيْرًا مِّنْهُ زَكَاةً وَأَقْرَبَ رُحْمًا ﴿٦١﴾

भढले में (अैसी औलाढ) डे जो पाकीङगी में उस से भेडतर और सिलारडमी में उस से भण्ड कर डो।

وَأَمَّا الْجِدَارُ فَكَانَ لِغُلَامَيْنِ يَتِيمَيْنِ فِي الْمَدِينَةِ وَكَانَ

और अलबत्ता दीवार, तो वो दो यतीम लडकों की थी इस शहर में और उस द्विवार के नीचे

تَحْتَهُ كَنْزٌ لَهُمَا وَكَانَ أَبُوهُمَا صَالِحًا فَأَرَادَ رَبُّكَ

उन का भजाना था और उन के भाप नेक थे. तो तेरे रब ने याछा के वो दोनों

أَنْ يَبْلُغَا أَشُدَّهُمَا وَيَسْتَخْرِجَا كَنْزَهُمَا ۗ رَحْمَةً

अपनी जवानी को पछोये और अपना भजाना भुद निकाले. ये आप के रब की रहमत की वजह से हुवा.

مِّنْ رَبِّكَ ۗ وَمَا فَعَلْتُهُ عَنْ أَمْرِي ۗ ذَٰلِكَ تَأْوِيلُ

और मैं ने उस को अपनी तरफ से नहीं किया. ये उस चीज का मतलब है जिस पर आप सभ्र की ताकत

مَا لَمْ تَسْطِعْ عَلَيْهِ صَبْرًا ۗ وَيَسْأَلُونَكَ عَنِ الْقُرْنَيْنِ

न रब सके. और ये आप से जुलकरनैन के मुतअद्लिक सवाल करते हैं. आप इरमा

قُلْ سَأَتْلُوا عَلَيْكُمْ مِنِّهُ ذِكْرًا ۗ إِنَّا مَكِّنَّا لَهُ

दीजिये के अनकरीब मैं तुम्हारे सामने उस का कुछ तजकिरा कड़ंगा. यकीनन हम ने उसे जमीन में

فِي الْأَرْضِ وَأَتَيْنَهُ مِنْ كُلِّ شَيْءٍ سَبَبًا ۗ فَاتَّبَع

हुकूमत ही थी और हम ने उसे हर चीज के अस्बाब दिये थे. फिर वो अस्बाब ले कर यले.

سَبَبًا ۗ حَتَّىٰ إِذَا بَلَغَ مَغْرِبَ الشَّمْسِ وَجَدَهَا تَغْرُبُ

यहां तक के जब सूरज के डूबने की जगा तक पछोये तो उसे पाया के वो डूब रहा है

فِي عَيْنٍ حَمِئَةٍ ۗ وَوَجَدَ عِنْدَهَا قَوْمًا قُلْنَا يٰذَا

कीयड वाले यश्मे में और उस के पास अेक कौम को पाया. हम ने कछा के अे

الْقُرْنَيْنِ ۖ إِنَّمَا أَنْ تَعْدَبَ وَإِنَّمَا أَنْ تَتَّخِذَ فِيهِمْ

जुलकरनैन! या तो आप अजाब हें या उन में भलाई करें.

حُسْنًا ۗ قَالَ أَمَّا مَنْ ظَلَمَ فَسَوْفَ نَعْدِبُهُ ثُمَّ يُرَدُّ

जुलकरनैन ने कछा अलबत्ता जो जुल्म करेगा, तो हम उसे अजाब हेंगे, फिर उसे लौटाया जायेगा

إِلَىٰ رَبِّهِ فَيُعَذِّبُهُ عَذَابًا نُكْرًا ۗ وَأَمَّا مَنْ آمَنَ

अपने रब की तरफ, फिर वो भी उसे भदतरिन अजाब हेंगा. और अलबत्ता जो ईमान लायेगा

وَعملٍ صَالِحًا فَلَهُ جَزَاءٌ الْحُسْنَىٰ ۗ وَسَنَقُولُ لَهُ مِنْ

और आमावे सालेडा करेगा तो उस के लिये अखण भदला डोगा. और हम उस से अपने मुआमले में

أَمْرًا يُسْرًا ۱۸ ثُمَّ اتَّبَعَ سَبَبًا ۱۹ حَتَّىٰ إِذَا بَلَغَ مَطْلِعَ

आसानी वाली बात कहेंगे. फिर वो सामान ले कर चले. यहाँ तक के जब वो सूरज के तुलूअ होने की

الشَّمْسِ وَجَدَهَا تَطَّلِعُ عَلَىٰ قَوْمٍ لَّمْ يَجْعَلْ لَهُمُ

जगह पर पड़ोये, तो उसे पाया के वो तुलूअ हो रहा है अक कौम पर जिन के लिये हम ने सूरज से आस

مِّنْ دُونِهَا سِتْرًا ۲۰ كَذَلِكَ ۲۱ وَقَدْ أَحَطْنَا بِمَا لَدَيْهِ خُبْرًا ۲۲

नहीं बनाई. इसी तरह, और हम ने उस का भी धरता कर रखा है इस के अतिवार से जो उन के पास था.

ثُمَّ اتَّبَعَ سَبَبًا ۲۳ حَتَّىٰ إِذَا بَلَغَ بَيْنَ السَّدَّيْنِ وَجَدَ

फिर वो अस्बाब ले कर चले. यहाँ तक के जब वो दो बंध तक पड़ोय गये तो उनको ने दोनों बंध के पीछे

مِّنْ دُونِهِمَا قَوْمًا ۲۴ لَا يَكَادُونَ يَفْقَهُونَ قَوْلًا ۲۵ قَالُوا يَدَا

अक कौम को पाया, जो बात समजने के भी करीब नहीं थी. उनको ने कडा के अ जुलकरनेन!

الْقَرْنَيْنِ إِنَّ يَأْجُوجَ وَمَأْجُوجَ مُفْسِدُونَ فِي الْأَرْضِ

यकीनन याजुज माजुज अभीन मे इसाद कैला रहे हैं, तो क्या हम आप

فَهَلْ نَجْعَلُ لَكَ خَرْجًا عَلَىٰ أَنْ تَجْعَلَ بَيْنَنَا وَبَيْنَهُمُ

के लिये कोई अर्थ मुतअय्यन कर हें इस शर्त पर के आप हमारे और उन के दरमियान बंध बना हें?

سَدًّا ۲۶ قَالَ مَا مَكَّنِّي فِيهِ رَبِّي خَيْرٌ فَأَعِينُونِي

जुलकरनेन ने कडा के जिस की मेरे रब ने मुझे कुदरत दी है, वो बेडतर है, इस लिये तुम मेरी ध्यानत करो

بِقُوَّةٍ اجْعَلْ بَيْنَكُمْ وَبَيْنَهُمْ رَدْمًا ۲۷ أَنُؤْتِي زُبْرَ الْحَدِيدِ ۲۸

कुवत से, तो मैं तुम्हारे और उन के दरमियान में अक मजबूत दीवार बना दूंगा. तुम मेरे पास लोहे की तफ्तियां

حَتَّىٰ إِذَا سَاوَىٰ بَيْنَ الصَّدَفَيْنِ قَالَ انْفُخُوا ۲۹

लाओ. यहाँ तक के जब उनको ने दोनों किनारों को बराबर कर दिया, तो कडा के आग झूको. यहाँ तक

حَتَّىٰ إِذَا جَعَلَهُ نَارًا ۳۰ قَالَ أَنُؤْتِي أُفْرَعُ عَلَيْهِ قِطْرًا ۳۱

के जब उस को सरापा आग बना दिया, तो जुलकरनेन ने कडा के तुम मेरे पास पिघला हुवा तांबा लाओ के मैं उस

فَمَا اسْتَطَاعُوا أَنْ يَظْهَرُوهُ وَمَا اسْتَطَاعُوا لَهُ نَقْبًا ۳۲

पर बछ हूं फिर वो उस पर चण्डने की ताकत नहीं रख सकें और न उस में खूाब करने की ताकत रख सकें.

قَالَ هَذَا رَحْمَةٌ مِّنْ رَبِّي ۳۳ فَإِذَا جَاءَ وَعْدُ رَبِّي جَعَلَهُ

जुलकरनेन ने कडा ये मेरे रब की रहमत है. फिर जब मेरे रब का वादा आ जायेगा तो वो उसे

دَكَاءٌ ۷ وَكَانَ وَعْدُ رَبِّي حَقًّا ۸ وَتَرَكْنَا بَعْضَهُمْ

रेजा रेजा कर देगा. और मेरे रब का वादा सच्चा है. और हम छोड़ देंगे उन को उस दिन

يَوْمَئِذٍ يَبُوجُ فِي بَعْضٍ وَ نَفَخَ فِي الصُّورِ فَجَمَعَهُمْ

ईस डाल में के बाज बाज से गुडगुड होंगे और सूर में झूंक मारी जाओगी, फिर हम उन सब को एकट्ठा

جَمَعًا ۹ وَ عَرَضْنَا جَهَنَّمَ يَوْمَئِذٍ لِلْكَافِرِينَ عَرْضًا ۱۰

करेंगे. और हम जहन्नम को उस दिन काफ़िरो के सामने पेश करेंगे.

الَّذِينَ كَانَتْ أَعْيُنُهُمْ فِي غِطَاءٍ عَن ذِكْرِي وَكَانُوا

जिन की आंखें मेरे तिकर (क़ुरआन) से (गइलत के) परदे में थी और जो

لَا يَسْتَطِيعُونَ سَمْعًا ۱۱ أَفَحَسِبَ الَّذِينَ كَفَرُوا

सुनने की ताकत नहीं रखते थे. क्या फिर काफ़िरो ने ये समझ रखा है के

أَن يَتَّخِذُوا عِبَادِي مِن دُونِي أَوْلِيَاءَ ۱۲ إِنَّا أَعْتَدْنَا

वो मुझे छोड़ कर मेरे बन्दों को डिमायती बना लेंगे? यकीनन हम ने काफ़िरो की जियाइत के लिये जहन्नम

جَهَنَّمَ لِلْكَافِرِينَ نُزُلًا ۱۳ قُلْ هَلْ نُنَبِّئُكُمْ بِالْأَخْسَرِينَ

तैयार कर रची है. आप इरमा दीजिये क्या हम तुम्हें बतलायें उन लोगों के बारे में

أَعْمَالًا ۱۴ الَّذِينَ ضَلَّ سَعِيَّهُمْ فِي الْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَهُمْ

जो आमाज के अतेबार से सब से जयादा बसारे वाले हैं? वो लोग हैं के जिन की कोशिश दुन्यवी जिन्हगी में बेकार

يَحْسَبُونَ أَنَّهُمْ يُحْسِنُونَ صُنْعًا ۱۵ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ

हो गइ और वो ये समझते रहे के वो अच्छे काम कर रहे हैं यही लोग हैं जिन्हो ने अपने रब की आयात के साथ

كَفَرُوا بِآيَاتِ رَبِّهِمْ وَ لِقَائِهِ فَحَبِطَتْ أَعْمَالُهُمْ

कुइ किया और उस की मुलाकात का (ई-कार किया), फिर उन के आमाज अकारत हो गये

فَلَا نَقِيمُ لَهُمْ يَوْمَ الْقِيَامَةِ وَرَنًا ۱۶ ذَلِكَ جَزَاؤُهُمْ

फिर हम उन के लिये कयामत के दिन वजन काईम नहीं करेंगे. ये उन की सजा जहन्नम है

جَهَنَّمَ بِمَا كَفَرُوا وَاتَّخَذُوا آيَاتِي وَرُسُلِي هُزُوًا ۱۷

उन के कुइ की वजह से और मेरी आयतों और मेरे पैगम्बरों को मजाक बनाने की वजह से.

إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ كَانَتْ لَهُمْ جَنَّاتُ

यकीनन वो लोग जो ईमान लाये और नेक काम करते रहे उन की जियाइत के लिये जन्नातुल फिरदौस

الْفِرْدَوْسِ نُزُلًا ﴿۱۷﴾ خَلِدِينَ فِيهَا لَا يَبْعُونَ عَنْهَا

હોંગી. જિન મેં વો હમેશા રહોંગે, જિસ સે વો હટના નહીં ચાહોંગે.

حَوْلًا ﴿۱۸﴾ قُلْ تَوَكَّلْ عَلَى اللَّهِ إِنَّهُ يَحْتَسِبُ عَنَّا

આપ ફરમા દીજિયે કે અગર સમન્દર રોશનાઈ બન જાએ મેરે રબ કે કલિમાત કે લિયે, તો સમન્દર ખત્મ

الْبَحْرِ قَبْلَ أَنْ تَنْفَذَ كَلِمَتُ رَبِّي وَلَوْ جِئْنَا بِمِثْلِهِ

હો જાએગા ઈસ સે પેહલે કે મેરે રબ કે કલિમાત ખત્મ હો, અગરયે હમ ઉસી જેસી મદદ કે તોર પર ઓર ભી લે

مَدَدًا ﴿۱۹﴾ قُلْ إِنَّمَا أَنَا بَشَرٌ مِثْلُكُمْ يُوحَىٰ إِلَيَّ

આએ. આપ ફરમા દીજિયે કે મેં તો સિફ તુમ જેસા એક ઈન્સાન હૂં, મેરી તરફ વહી કી જા રહી છે

الْهُكْمُ إِلَهُ وَاحِدٌ فَمَنْ كَانَ يَرْجُوا لِقَاءَ رَبِّهِ فَلْيَعْمَلْ

યે કે તુમહારા માબૂદ યકતા માબૂદ છે. ફિર જો અપને રબ કી મુલાકાત કી ઉમ્મીદ રખતા છે, તો ઉસે

عَمَلًا صَالِحًا وَلَا يُشْرِكْ بِعِبَادَةِ رَبِّهِ أَحَدًا ﴿۲۰﴾

ચાહિયે કે વો આમાલે સાલેહા કરે ઓર અપને રબ કી ઈબાદત મેં કિસી કો શરીક ન ઠેહરાએ.

﴿۱۹﴾ سُوْرَةُ مَرْيَمَ كَرِيْمَةً ﴿۲۴﴾ رُكُوْعَاتُهَا ۶

૧૧૫૪ આયતો છે ૧૯ આયતો છે સૂરએ મરયમ મક્કા મેં નાઝિલ હુઈ ઈસ મેં ૮૮ આયતો છે ઓર ૬ રુકૂઆ હૈં

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

પણહતા હૂં અલ્લાહ કા નામ લે કર જો બડા મેહરબાન, નિહાયત રહમ વાલા છે

كَلْبَعَصَ ﴿۲۱﴾ ذِكْرُ رَحْمَتِ رَبِّكَ عَبْدَهُ زَكَرِيَّا ﴿۲۲﴾

કાફ હા યા એન સોદ. યે તેરે રબ કી ઉસ કે બન્દે ઝકરીયા (અલૈહિસ્સલામ) પર રહમત કા તઝકિરા છે.

إِذْ نَادَى رَبَّهُ نِدَاءً خَفِيًّا ﴿۲۳﴾ قَالَ رَبِّ إِنِّي وَهَنَ

જબ ઉન્હો ને અપને રબ કો ચુપકે ચુપકે પુકારા. ઝકરીયા (અલૈહિસ્સલામ) ને કહા એ મેરે રબ! યકીનન મેરી

الْعَظْمُ مِنِّي وَاسْتَعَلَ الرَّأْسُ شَيْبًا وَلَمْ أَكُنْ

હડિડયાં કમઝોર હો ગઈ હૈં ઓર સર મેં બુળહાપા ફેલ ચૂકા છે ઓર મેં તુજ સે માંગને

بِدُعَائِكَ رَبِّ شَقِيًّا ﴿۲۴﴾ وَإِنِّي خِفْتُ الْمَوَالِيَ

મેં એ મેરે રબ! નાકામ નહીં રહા. ઓર યકીનન મેં અપને પીછે વારિસોં સે ડરતા હૂં

مِنْ وَّرَائِي وَكَانَتِ امْرَأَتِي عَاقِرًا فَهَبْ لِي مِنْ لَدُنْكَ

ઓર મેરી બીવી બાંજ છે, તો તૂ અપની તરફ સે મેરે લિયે વારિસ અતા ફરમા.

وَلِيًّا ۙ يَرْتَضَىٰ وَيَرِثُ مِنْ آلِ يَعْقُوبَ ۗ وَاجْعَلْهُ رَبِّ

जो मेरा वारिस बने और आले यअकूब का वारिस बने. और उसे मेरे रब! तू पसन्दीदा बना.

رَضِيًّا ۙ يَزَكِّرُنَا إِنَّا نُبَشِّرُكَ بِغُلَامٍ اسْمُهُ يَحْيَىٰ ۙ

अे जकरीय्या! यकीनन हम आप को अेक लडके की बशारत दे रहे हैं जिस का नाम यहया होगा,

لَمْ نُجْعَلْ لَهُ مِنْ قَبْلُ سَمِيًّا ۙ قَالَ رَبِّ أَىٰ يَكُونُ

जिस का इस से पेहले हमने कोई हमनाम नहीं बनाया. जकरीय्या (अलैहिस्सलाम) ने कहा अे मेरे रब! मेरे

لِي غُلَامٌ وَكَانَتْ أَمْرَاتِي عَاقِرًا وَقَدْ بَلَغْتُ

लिये लडका कहां से होगा डालांके मेरी भीवी बांज है और मैं बुण्डापे की धन्तिडा को

مِنَ الْكِبَرِ عِتِيًّا ۙ قَالَ كَذَلِكَ ۗ قَالَ رَبُّكَ هُوَ عَلِيمٌ

पडोंय युका डूं? अल्लाह ने इरमाया के इसी तरड डोगा. तेरे रब ने कहा है के वो मुज पर

هَيِّنٌ وَقَدْ خَلَقْتِكُمْ مِنْ قَبْلُ وَلَمْ تَكُ شَيْئًا ۙ قَالَ

आसान है और मैंने तुजे इस से पेहले पैदा किया डालांके तू कुछ भी नहीं था. जकरीय्या (अलैहिस्सलाम) ने कहा

رَبِّ اجْعَلْ لِي آيَةً ۗ قَالَ آيَتُكَ أَلَّا تُكَلِّمَ النَّاسَ

अे मेरे रब! मेरे लिये निशानी मुकरर कर दीजिये. अल्लाह ने इरमाया के तेरी निशानी ये है के तुम धन्सानों

ثَلَاثَ لَيَالٍ سَوِيًّا ۙ فَخَرَجَ عَلَىٰ قَوْمِهِ مِنَ الْبَحْرَابِ

से भात नहीं करोगे तनहूरस्त डोने के भावजूह तीन रात तक. फिर वो अपनी कौम के सामने मेडराब से निकले

فَأَوْحَىٰ إِلَيْهِمْ أَنْ سَبِّحُوا بُكْرَةً وَعَشِيًّا ۙ يَلْحَقِي خُدَّ

तो जकरीय्या (अलैहिस्सलाम) ने उन को भी इशारे से कहा के तुम अल्लाह की सुणुड व शाम तस्बीह करो. अे यडया! किताय को

الْكِتَابِ بِقُوَّةٍ ۗ وَآتَيْنَهُ الْحُكْمَ صَبِيًّا ۙ وَحَنَانًا مِّنْ لَّدُنَّا

मजबूती से पकड ले. और हम ने उन्हे बयपन डी में दानाई अता कर दी थी. और डमारी तरड से

وَزَكْوَةً ۗ وَكَانَ تَقِيًّا ۙ وَبَرًّا ۙ بِوَالِدَيْهِ وَلَمْ يَكُنْ جَبَّارًا

शकत और पाकीजगी अता की. और वो मुत्तकी थे. और अपने वालिहैन के इरमांभरदार थे और जभरदस्ती

عَصِيًّا ۙ وَسَلَّمٌ عَلَيْهِ يَوْمَ وُلِدَ وَيَوْمَ يَمُوتُ وَيَوْمَ

करने वाले नाइरमान नहीं थे. और उन पर सलामती डो जिस दिन वो पैदा डुवे और जिस दिन वो मरेंगे

يُبْعَثُ حَيًّا ۙ وَادْكُرُ فِي الْكِتَابِ مَرْيَمَ إِذِ انْتَبَدَتْ

और जिस दिन वो जिन्दा कर के उठाअे जाअेंगे और इस किताय में मरयम का तजक़िरा कीजिये. जब वो अपने

مِنْ أَهْلِهَا مَكَانًا شَرْقِيًّا ۝ فَاتَّخَذَتْ مِنْ دُونِهِمْ

घर वालों से अलग हो कर मशरिकी किनारे में बली गई. और उन से पटा कर लिया,

حِجَابًا ۝ فَأَرْسَلْنَا إِلَيْهَا رُوحَنَا فَتَمَثَّلَ لَهَا بَشَرًا

फिर हम ने उन की तरफ हमारी रूह को भेजा जो उन के सामने पूरा इन्सान बन कर मुतमस्सिल हुवा.

سَوِيًّا ۝ قَالَتْ إِنِّي أَعُوذُ بِالرَّحْمَنِ مِنْكَ إِنْ كُنْتُ

मरयम (अलैहस्सलाम) ने कडा के यकीनन में तुज से रहमान की पनाह मांगती हूं अगर तू अल्लाह से

تَقِيًّا ۝ قَالَ إِنَّمَا أَنَا رَسُولُ رَبِّكِ ۝ لِأَهَبَ لِكَ غُلَامًا

डरता है. तो रूह ने कडा में तो सिर्फ तेरे रब का भेजा हुवा इरिशता हूं ताके में तुजे पाकीजा लडका हूं.

رَكِيًّا ۝ قَالَتْ أَنَّى يَكُونُ لِي غُلَامٌ وَلَمْ يَمْسَسْنِي بَشَرٌ

मरयम (अलैहस्सलाम) ने कडा के मुजे लडका कडां से डोगा डालांके मुजे किसी इन्सान ने छुवा नहीं है

وَلَمْ أَكُ بَغِيًّا ۝ قَالَ كَذَلِكَ ۝ قَالَ رَبِّكِ هُوَ عَلَيَّ هَيِّنٌ ۝

और मैं जिनाकार नहीं हूं? इरिशते ने कडा के इसी तरड डोगा. तेरे रब ने कडा है के ये मुज पर आसान है.

وَلَنَجْعَلَنَّ آيَةً لِلنَّاسِ وَرَحْمَةً مِّنَّا ۝ وَكَانَ أَمْرًا

और इस लिये डोगा ताके हम उसे इन्सानों के लिये निशानी बनाये और हमारी तरफ से रहमत बनाये.

مَّقْضِيًّا ۝ فَحَمَلَتْهُ فَانْتَبَدَتْ بِهِ مَكَانًا قَصِيًّا ۝

और इस मुआमले का इंसला कर दिया गया है. फिर मरयम (अलैहस्सलाम) लडके से डामिला हो गई,

فَاجَاءَهَا الْبَخَاصُ إِلَى جِدْعِ النَّخْلَةِ ۝ قَالَتْ يَلَيْتَنِي

फिर उस को ले कर दूर जगा में अलग बली गई. फिर उन को दह जेड आया भजूर के तने के पास. मरयम

مَتَّ قَبْلَ هَذَا وَكُنْتُ نَسِيًّا مِّنْسِيًّا ۝ فَوَادَاهَا

(अलैहस्सलाम) केडने लगीं अे काश के में इस से पेडले मर जाती और मैं भुला कर इरामोश कर दी जाती. फिर मरयम

مِنْ تَحْتِهَا ۝ إِلَّا تَحَرَّنِي قَدْ جَعَلَ رَبُّكِ تَحْتِكَ سَرِيًّا ۝

(अलैहस्सलाम) को उन के नीचे से आवाज दी के तू गम न कर, यकीनन तेरे रब ने तेरे नीचे नेडर जारी कर दी है.

وَهَزَيْتَنِي إِلَيْكَ بِجِدْعِ النَّخْلَةِ ۝ تَسْقُطُ عَلَيْكَ رَطْبًا

और तू अपनी तरफ उस भजूर के तने को छिला, भुद दूट कर तुज पर ताजा भजूरें गिरेंगी.

جَنِيًّا ۝ فَكَلِمَىٰ وَاشْرِبِي وَقَرِّي عَيْنًا ۝ فَمَا تَرَيْنَ مِنْ

फिर तू भा और पी और आंभें ठ-डी रब. फिर अगर तू इन्सानों में

الْبَشَرِ أَحَدًا ۚ فَقُولِي إِنِّي نَذَرْتُ لِلرَّحْمَنِ صَوْمًا

से किसी को दहे, तो यूँ केडना के में ने रडमान के लिये रोले की नजर मानी हे, के में आज

فَلَنْ أَكَلَمَ الْيَوْمَ انْسِيًّا ۖ فَاتَتْ بِهِ قَوْمَهَا تَحْمِلُهُ ۗ قَالُوا

किसी धन्सान से डरगिज गुडतगू नडी करंगी. फिर वो उस लडके को उठा कर अपनी कौम के पास आई.

يَمْرُؤٍ لَقَدْ جِئْتَ شَيْئًا فَرِيًّا ۗ يَا خَتَّ هُرُونَ مَا كَانَ

वो केडने लगे अे मरयम! यकीनन तू ने बडोत गन्ही डरकत की हे. अे डारून की बेडेन! तेरा बाप

أَبُوكَ امْرَأًا سَوْءٍ ۖ وَمَا كَانَتْ أُمُّكَ بَغِيًّا ۗ فَأَشَارَتْ

भी डुरा धन्सान नडी था और न तेरी मां जिनाकर थी. तो मरयम (अलेडस्सलाम) ने उस लडके की तरफ

إِلَيْهِ ۗ قَالُوا كَيْفَ نُكَلِّمُ مَنْ كَانَ فِي الْأَهْدِ صَبِيًّا ۗ قَالَ

धशारा किया. वो केडने लगे डम केसे कलाम करे उस से जो गेडवारे में बरया हे? तो बरया बोला

إِنِّي عَبْدُ اللَّهِ ۗ آتَانِي الْكِتَابَ وَجَعَلَنِي نَبِيًّا ۗ وَجَعَلَنِي

यकीनन में अल्लाड का बन्दा हूँ. उस ने मुजे किताब दी हे और मुजे नभी बनाया हे. और मुजे मुबारक

مُبْرَكًا أَيِّنَ مَا كُنْتُ ۖ وَأَوْصَيْتَنِي بِالصَّلَاةِ وَالزَّكَاةِ

बनाया हे जहां में रहूँ. और उस ने मुजे डुकम दिया हे नमाज का और जकत का जब तक

مَا دُمْتُ حَيًّا ۗ وَبَرًّا بِوَالِدَتِي ۗ وَلَمْ يَجْعَلْنِي جَبَّارًا

में जिन्दा रहूँ. और मुजे अपनी वालिदा का डरमांवरदार बनाया हे. और मुजे सरकश, बहबप्त नडी

شَقِيًّا ۗ وَالسَّلَامُ عَلَيَّ يَوْمَ وُلِدْتُ وَيَوْمَ أَمُوتُ

बनाया. और सलामती डो मुज पर जिस दिन में पैदा हुवा और जिस दिन में मरूंगा और

وَيَوْمَ أُبْعِثُ حَيًّا ۗ ذَلِكَ عِيسَى ابْنُ مَرْيَمَ ۗ قَوْلَ الْحَقِّ

जिस दिन में जिन्दा कर के उठाया जाउगा. ये धसा धने मरयम (अलेडिमस्सलाम) हे. ये सखी बात हे

الَّذِي فِيهِ يَمْتَرُونَ ۗ مَا كَانَ لِلَّهِ أَنْ يَتَّخِذَ

जिस में ये जघडा कर रहे हे. अल्लाड के लिये मुनासिब नडी के वो औलाड बनाअे,

مِنْ وَلَدٍ ۚ سُبْحٰنَهُ ۗ إِذَا قَضَىٰ أَمْرًا فَإِنَّمَا يَقُولُ لَهُ كُنْ

अल्लाड तो औलाड से पाक हे. जब वो किसी मुआमले का डेसला करता हे तो उस से केडता हे के डो जा,

فَيَكُونُ ۗ وَإِنَّ اللَّهَ رَبِّي وَرَبِّكُمْ فَأَعْبُدُوهُ ۗ هَذَا

तो वो डो जाता हे. और यकीनन मेरा रब और तुम्हारा रब अल्लाड हे, तो तुम उसी की धबाहत करो. ये

صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ﴿۳۳﴾ فَاخْتَلَفَ الْأَحْزَابُ مِنْ بَيْنِهِمْ

सीधा रास्ता है. फिर गिरोह आपस में अलग अलग हो गये. फिर काफ़िरों के लिये

قَوِيلٌ لِّلَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ مَّشْهَدٍ يَوْمٍ عَظِيمٍ ﴿۳۴﴾ أَسْمِعْ

एक भारी दिन की डग़री से डग़ाक़त है. वो कितना अरुची तरु सुनने वाले और कितना

بِهِمْ وَأَبْصَرَ يَوْمَ يَأْتُونَنَا لَكِنَ الظَّالِمُونَ الْيَوْمَ

अरुची तरु देरने वाले होंगे, जिस दिन वो हमारे पास आएंगे. लेकिन ज़ालिम लोग आज भुली

فِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ﴿۳۵﴾ وَأَنْذَرَهُمْ يَوْمَ الْحَسْرَةِ إِذْ قُضِيَ

गुमराही में हैं. और आप उन्हें डराईये डसरत वाले दिन से जब मुआमले का कैसला कर दिया

الْأَمْرُ وَهُمْ فِي غَفْلَةٍ وَهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿۳۶﴾ إِنَّا نَحْنُ

जाओगा, अभी वो गड़लत में हैं और धमान नहीं लाते. यकीनन डम ही इस ज़मीन के वारिस

نَرِثُ الْأَرْضَ وَمَنْ عَلَيْهَا وَإِلَيْنَا يُرْجَعُونَ ﴿۳۷﴾ وَأَذْكُرُ

होंगे और उन के भी जो ज़मीन पर है और डमारी तरु वो सभ लौटाओ जाओगे. और आप

فِي الْكِتَابِ إِبراهيمَ إِنَّهُ كَانَ صِدِّيقًا نَبِيًّا ﴿۳۸﴾

किताब में धब्राहिम (अलैडिस्सलाम) का तजक़िरा कीजिये. यकीनन वो सिदीक थे, नबी थे.

إِذْ قَالَ لِأَبِيهِ يَا أَبَتِ لِمَ تَعْبُدُ مَا لَا يَسْمَعُ وَلَا يُبْصِرُ

जब धब्राहीम (अलैडिस्सलाम) ने अपने अब्बा से कडा के अे मेरे अब्बा! तुम क्यूं धबाहत करते हो ऐसी

وَلَا يُغْنِي عَنْكَ شَيْئًا ﴿۳۹﴾ يَا أَبَتِ إِنِّي قَدْ جَاءَنِي

थीओं की जो न सुनती हैं और न देरती हैं और आप के कुछ भी काम नहीं आती. अे मेरे अब्बा! यकीनन मेरे

مِنَ الْعِلْمِ مَا لَمْ يَأْتِكَ فَاتَّبِعْنِي أَهْدِكَ صِرَاطًا سَوِيًّا ﴿۴۰﴾

पास वो धल्म आया है जो आप के पास नहीं आया इस लिये आप मेरे पीछे यलिये, मैं आप को सीधे रास्ते की

يَا أَبَتِ لِمَ تَعْبُدُ الشَّيْطَانَ إِنَّ الشَّيْطَانَ كَانَ لِلرَّحْمَنِ

रडनुमाध कड़ंगा. अे मेरे अब्बा! आप शयतान की धबाहत मत कीजिये. यकीनन शयतान रडमान का

عَصِيًّا ﴿۴۱﴾ يَا أَبَتِ إِنِّي أَخَافُ أَنْ يَمَسَّكَ عَذَابٌ مِّنَ

नाकरमान है. अे मेरे अब्बा! यकीनन मैं डरता हूं इस से के आप को रडमान की तरु से अजाब

الرَّحْمَنِ فَتَكُونُ لِلشَّيْطَانِ وَلِيًّا ﴿۴۲﴾ قَالَ أَرَأَيْتَ أَنْتَ

पडोये, फिर तुम शयतान के दोस्त बन जाओ. धब्राहीम (अलैडिस्सलाम) के बाप ने कडा कया तुम औराज

عَنْ إِلَهَتِي يَا بَرَهِيمَ لَبِنٌ لَمْ تَنْتَه لِمَرْجُمَتِكَ

करते हो मेरे माबूदों से, ओ ईब्राहीम? अगर तुम बाज नहीं आओगे तो मैं तुम्हें रजम कर दूंगा

وَاهْجُرْنِي مَلِيًّا ۴۱ قَالَ سَلَّمَ عَلَيْكَ ۴۲ سَأَسْتَغْفِرُ لَكَ رَبِّي ۴۳

और तू दूर हो जा मुझ से मुदते दराज तक. ईब्राहीम (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अस्सलामु अलयकुम!

إِنَّهُ كَانَ بِي حَفِيًّا ۴۴ وَأَعْتَزَلَكُمُ وَمَا تَدْعُونَ

अनकरीब मैं तुम्हारे लिये अपने रब से इस्तिगफार करूंगा. यकीनन वो मुझ पर मेहरबान है. और मैं छोड

مِنْ دُونِ اللَّهِ وَأَدْعُوا رَبِّي عَسَىٰ أَلَّا أَكُونَ بِدُعَاءِ

रहा हूँ तुम्हें और उन को जिन की तुम अदलाड के अलावा ईबादत करते हो और मैं अपने रब को पुकारता हूँ उम्मीद है

رَبِّي شَقِيًّا ۴۵ فَلَمَّا أَعْتَزَلَهُمْ وَمَا يَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ

के मेरे रब से दुरा करने में नाभुराद नहीं रहूंगा. फिर जब ईब्राहीम (अलैहिस्सलाम) अलग हो गये उन से और

اللَّهِ ۴۶ وَهَبْنَا لَهُ إِسْحَاقَ وَيَعْقُوبَ ۴۷ وَكُلًّا جَعَلْنَا نَبِيًّا ۴۸

उन से भी जिन की वो अदलाड के अलावा ईबादत करते थे, तो हम ने उनसे इस्सक और यअकूब (अलैहिमस्सलाम) दिये. और

وَوَهَبْنَا لَهُمْ مِنْ رَحْمَتِنَا وَجَعَلْنَا لَهُمْ لِسَانَ صِدْقٍ

तमाम को हम ने नबी बनाया. और हम ने उनसे इस्सा दिया और हम ने उन के उलूव्वे

عَلِيًّا ۴۹ وَادْكُرْ فِي الْكِتَابِ مَوْسَىٰ ۵۰ إِنَّهُ كَانَ

मनजिलत, सख्याई को भयान करने वाली जमाने (तमाम अदयान में) बना दीं. और इस किताब में मूसा

مُخْلِصًا ۵۱ وَكَانَ رَسُولًا نَبِيًّا ۵۲ وَنَادَيْنَاهُ مِنْ جَانِبِ

(अलैहिस्सलाम) का तजकिरा कीजिये. यकीनन वो भालिस किये हुवे और रसूल थे, नबी थे.

الطُّورِ الْأَيْمَنِ وَقَرَّبْنَاهُ نَجِيًّا ۵۳ وَوَهَبْنَا لَهُ مِنْ رَحْمَتِنَا

और हम ने उनसे पुकारा कोडे तूर की दार्द जनिब से और हम ने उनसे सरगोशी के लिये करीब किया. और हम ने उनसे

أَخَاهُ هَارُونَ نَبِيًّا ۵۴ وَادْكُرْ فِي الْكِتَابِ إسمَاعِيلَ ۵۵

अपनी रहमत से उन के भाई हारून को नबी बना कर अता किया. और इस किताब में इस्माईल (अलैहिस्सलाम) का

إِنَّهُ كَانَ صَادِقَ الْوَعْدِ وَكَانَ رَسُولًا نَبِيًّا ۵۶ وَكَانَ

तजकिरा कीजिये. यकीनन वो सख्ये वादे वाले थे और रसूल थे, नबी थे. और वो

يَأْمُرُ أَهْلَهُ بِالصَّلَاةِ وَالزَّكَاةِ ۵۷ وَكَانَ عِنْدَ رَبِّهِ

अपने घर वालों को नमाज का और जकात का हुकम देते थे. और वो अपने रब के नजदीक

مَرْضِيًّا ﴿۵۵﴾ وَادْكُرْ فِي الْكِتَابِ إِدْرِيسَ إِنَّهُ كَانَ صِدِّيقًا

પસન્દીદા થે. ઓર ઇસ કિતાબ મેં ઇદરીસ (અલૈહિસ્સલામ) કા તઝકિરા કીજિયે. યકીનન વો સિદીક થે,

تَبِيًّا ﴿۵۶﴾ وَرَفَعْنَاهُ مَكَانًا عَلِيًّا ﴿۵۷﴾ أُولَئِكَ الَّذِينَ

નબી થે. ઓર હમ ને ઉન્હે બુલન્દ જગા પર ઉઠા લિયા. યહી લોગ હૈં જિન પર અલ્લાહ ને ઇન્આમ

أَنعَمَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ مِنَ النَّبِيِّينَ مِنْ ذُرِّيَةِ آدَمَ

ફરમાયા અમ્બિયા મેં સે, આદમ (અલૈહિસ્સલામ) કી ઔલાદ મેં સે.

وَمِمَّنْ حَمَلْنَا مَعَ نُوحٍ ﴿۵۸﴾ وَمِنْ ذُرِّيَةِ إِبْرَاهِيمَ

ઓર ઉન મેં સે જિન કો હમ ને નૂહ (અલૈહિસ્સલામ) કે સાથ સવાર કરાયા. ઓર ઇબ્રાહીમ (અલૈહિસ્સલામ)

وَإِسْرَائِيلَ ﴿۵۹﴾ وَمِمَّنْ هَدَيْنَا وَاجْتَبَيْنَاهُ إِذَا تُتْلَىٰ

ઓર યઅકૂબ (અલૈહિસ્સલામ) કી ઝુરરીયત મેં સે. ઓર ઉન મેં સે જિન કો હમ ને હિદાયત દી ઓર જિન કો હમ ને

عَلَيْهِمْ آيَاتُ الرَّحْمَنِ خَرُّوا سُجَّدًا وَبُكِيًّا ﴿۶۰﴾ فَخَلَفَ

મુન્તખબ કિયા. જબ ઉન પર રહમાન કી આયતેં તિલાવત કી જાતી હૈં તો વો સજદા કરતે હુવે ઓર રોતે

مِنْ بَعْدِهِمْ خَلْفٌ أَضَاعُوا الصَّلَاةَ وَاتَّبَعُوا

હુવે ગિર પડતે હૈં. ફિર ઉન કે બાદ ઐસે નાખલફ આએ જિન્હોં ને નમાઝ ઝાયેઅ કી ઓર ખ્વાહિશાત કે

الشَّهْوَاتِ فَسَوْفَ يَلْقَوْنَ غَيًّا ﴿۶۱﴾ إِلَّا مَنْ تَابَ وَآمَنَ

પીછે પડે, ફિર વો અન્કરીબ ખરાબી પાએંગે. મગર જો તૌબા કરે ઓર ઇમાન લાએ ઓર નેક

وَعَمِلَ صَالِحًا فَأُولَئِكَ يَدْخُلُونَ الْجَنَّةَ وَلَا يُظْلَمُونَ

કામ કરતા રહે તો યે જન્નત મેં દાખિલ હોંગે ઓર ઉન પર ઝરા ભી ઝુલ્મ નહી કિયા જાએગા.

شَيْئًا ﴿۶۲﴾ جَمَّتِ عَدْنُ الْبَرِّ وَعَدَّ الرَّحْمَنُ عِبَادَةَ بِالْغَيْبِ

જન્નાતે અદન મેં દાખિલ હોંગે, જિન કા રહમાન ને વાદા કિયા હે અપને બન્દોં સે બગૈર દેખે.

إِنَّهُ كَانَ وَعْدُهُ مَأْتِيًّا ﴿۶۳﴾ لَا يَسْمَعُونَ فِيهَا لَغْوًا

યકીનન ઉસ કા વાદા પૂરા હો કર રહેગા. ઉસ મેં વો સિવાએ સલામ કે કોઈ લગ્વ બાત નહી

إِلَّا سَلَامًا وَلَهُمْ رِزْقُهُمْ فِيهَا بُكْرَةً وَعَشِيًّا ﴿۶۴﴾ تِلْكَ

સુનેંગે. ઓર ઉન કો ઉસ મેં ખાના સુબહ વ શામ મિલેગા. યે વો જન્નત હે જિન કા હમ વારિસ

الْجَنَّةُ الَّتِي نُورِثُ مِنْ عِبَادِنَا مَنْ كَانَ تَقِيًّا ﴿۶۵﴾

બનાએંગે અપને બન્દોં મેં સે ઉન્હે જો મુત્તકી હૈં.

وَمَا نَتَزَّلُ إِلَّا بِأَمْرِ رَبِّكَ ۚ لَهُ مَا بَيْنَ أَيْدِينَا

اور ہم نہی اترتے مگر تے رے کے حکم سے۔ اسی کی مہک ہے وہ تمام شیوں جو

وَمَا خَلَقْنَا وَمَا بَيْنَ ذَلِكَ ۚ وَمَا كَانَ رَبُّكَ نَسِيًّا ﴿۱۴﴾ رَبُّ

ہمارے آگے ہے اور جو ہمارے پیچھے ہے اور جو ان کے درمیان ہے اور تیرا رب بھولنے والا نہی ہے۔ وہ

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا فَاعْبُدْهُ وَاصْطَبِرْ

آسمانوں اور زمین کا رب ہے اور ان شیوں کا رب ہے جو ان کے درمیان ہے تو آپ اسی کی عبادت کریجیے

لِعِبَادَتِهِ ۗ هَلْ تَعْلَمُ لَهُ سَمِيًّا ﴿۱۵﴾ وَ يَقُولُ الْإِنْسَانُ

اور اس کی عبادت پر جبہ رہیے۔ کیا آپ اس کا کوئی نام جانتے ہیں؟ اور انسان کہتا ہے کہ

ءِإِذَا مَا مِتُّ لَسَوْفَ أُخْرَجُ حَيًّا ﴿۱۶﴾ أَوْ لَا يَذْكُرُ الْإِنْسَانُ

کیا جب میں مر جاؤں گا تب میں زندہ کر کے نکالا جاؤں گا؟ کیا انسان یاد نہی رہتا کہ

أَنَا خَلَقْتُهُ مِنْ قَبْلُ وَلَمْ يَكُ شَيْئًا ﴿۱۷﴾ فَوَرَبِّكَ

ہم نے اسے اس سے پہلے پیدا کیا ہاںکہ وہ کچھ نہی تھا؟ کیر تے رے کی کسم! ازر ہم ائے

لَنَحْشُرَهُمُ وَالشَّيَاطِينَ ثُمَّ لَنُحْضِرَهُمْ حَوْلَ جَهَنَّمَ

اور شایاتین کو ککڑا کریں گے، کیر ہم ائے جہنم کے ککڑ گیکر ڈھٹنے کے ہل ہکٹا ہوا ہونے کی

جَنِيًّا ﴿۱۸﴾ ثُمَّ لَنَنْزِعَنَّ مِنْ كُلِّ شِيعَةٍ أَيُّهُمْ أَشَدُّ

ہاںت میں اکر کریں گے۔ کیر ہم نکالیں گے ہر جماعت میں سے اسے جو ان میں سے رمان پر ایاہا سہت سرکشا ہا۔

عَلَى الرَّحْمَنِ عِتِيًّا ﴿۱۹﴾ ثُمَّ لَنَحْنُ أَعْلَمُ بِالَّذِينَ هُمْ أَوْلَىٰ بِهَا

کیر ہم بھون جانتے ہیں ائے جو جہنم میں ااہیل ہونے کے لاک ہے۔ اور تم

صَلِيًّا ﴿۲۰﴾ وَإِنْ مِّنْكُمْ إِلَّا وَارِدُهَا كَانَ عَلَىٰ رَبِّكَ حَتْمًا

میں سے ہر اک ازر جہنم پر وارہ ہونے والا ہے۔ یہ تے رے پر لاکیم ہے،

مَفْضِيًّا ﴿۲۱﴾ ثُمَّ نُنجِي الَّذِينَ اتَّقَوْا وَ نَذَرُ الظَّالِمِينَ

اس کا کسلا کر دیا گیا ہے۔ کیر ہم متکیوں کو ہیا لیں گے اور االمیوں کو اس میں

فِيهَا جَنِيًّا ﴿۲۲﴾ وَإِذَا تَتَلَىٰ عَلَيْهِمْ آيَاتُنَا بَيِّنَاتٍ قَالَ

ڈھٹوں کے ہل ہا ہوا ہوس ڈے گے۔ اور جب ان پر ہماری آیتیں تیلوات کی جاتی ہیں ساک ساک،

الَّذِينَ كَفَرُوا لِلَّذِينَ آمَنُوا ۚ أَيُّ الْفَرِيقَيْنِ خَيْرٌ

تو کاکیر لوگ ایمان والوں سے کہتے ہیں کہ دونوں کریک میں سے کس کا

مَقَامًا وَأَحْسَنُ نَدِيًّا ﴿۴۳﴾ وَكَمْ أَهْلَكْنَا قَبْلَهُمْ مِّنْ قَرْنٍ

मकान बेहतर है और किस की मजलिस अच्छी है? और उन से पहले कितनी कौमों को हम ने उलाक

هُم أَحْسَنُ أَثَاثًا وَرِعْيًا ﴿۴۴﴾ قُلْ مَنْ كَانَ فِي الصَّلَاةِ

किया जो जयादा अच्छे सामान वाली और जयादा अच्छी रौनक वाली थी. आप इरमा दीजिये जो

فَلْيَمْدُدْ لَهُ الرَّحْمَنُ مَدًّا ۗ حَتَّىٰ إِذَا رَأَوْا مَا يُوعَدُونَ

गुमराही में हैं तो उन को रहमान तआला ढील दे रहे हैं. यहां तक के जब वो देखेंगे उस अजाब को

إِمَّا الْعَذَابَ وَإِمَّا السَّاعَةَ ۖ فَسَيَعْلَمُونَ ۗ مَنْ هُوَ

जिस से उन्हें डराया जा रहा है या अजाब या कयामत, तो अनकरीब उन्हें मादूम हो जायेगा के कौन जयादा

شَرٌّ مَّكَانًا وَأَضْعَفُ جُنْدًا ۗ وَ يَزِيدُ اللَّهُ الَّذِينَ

भुरी जगा वाला है और कौन कमजोर जमाअत वाला है. और अदलाह छिदायत में बण्डाते हैं उन्हें

أَهْتَدُوا هُدًى ۖ وَالْبَقِيَّةُ الصَّالِحَةُ خَيْرٌ عِنْدَ

जो छिदायतयाइता है. और बाकी रहेने वाले अच्छे आमाअल बेहतर हैं तेरे रब के नजदीक सवाब के

رَبِّكَ ثَوَابًا وَخَيْرٌ مَّرَدًّا ۗ أَفَرَأَيْتَ الَّذِي كَفَرَ

अतेबार से और जयादा अच्छे हैं अनजाम के अतेबार से. क्या फिर आप ने देखा वो शप्स जिस ने

بِآيَاتِنَا وَقَالَ لَاؤُوتَيْنِ مَالًا ۖ وَوَلَدًا ۗ أَطَّلَعَ الْغَيْبَ

उमारी आयतों के साथ कू किया और उस ने कडा के उर मुजे माल और औलाह मिलेगी? क्या वो गैब पर

أَمْ اتَّخَذَ عِنْدَ الرَّحْمَنِ عَهْدًا ۗ كَلَّا ۖ سَنَكْتُبُ

भुतलेअ हुवा या उस ने रहमान तआला के पास कोई अहद ले रभा है? हरगिज नही! अनकरीब हम

مَا يَقُولُ وَ نَمُدُّ لَهُ مِنَ الْعَذَابِ مَدًّا ۗ وَ نَرِثُهُ

लिख रहे हैं उसे जो वो केड रहा है और हम उस के लिये अजाब को लम्बा करेंगे. और हम उस के वारिस बनेगे

مَا يَقُولُ وَيَأْتِينَا فَرْدًا ۗ وَاتَّخَذُوا مِنْ دُونِ اللَّهِ إِلَهَةً

उन चीजों में जिन्हें वो केड रहा है और वो हमारे पास तन्हा आयेगा. और उनको ने अदलाह को छोड कर कर्ष

لِيَكُونُوا لَهُمْ عِزًّا ۗ كَلَّا ۖ سَيَكْفُرُونَ بِعِبَادَتِهِمْ

माबूह बना लिये हैं ताके वो उन के लिये कुव्वत का जरिया बनें. हरगिज नही! अनकरीब वो उन की ईबाहत

وَيَكُونُونَ عَلَيْهِمْ صِدًّا ۗ أَلَمْ تَرَ أَنَّا أَرْسَلْنَا

का ईन्कर करेंगे और वो उन के मुखालिफ बन जायेगे. क्या आप ने देखा नही के हम ने शयातीन को कफिरो पर

الشَّيْطَانِ عَلَى الْكٰفِرِينَ تَوَسَّرَهُمْ اَرَاۤءَ فَلَا تَعْلَمُ

छोड रभा है, वो उन को भूषण बना रहा है। इस लिये आप उन के बारे में जल्दी न करें। उम

عَلَيْهِمْ اِنَّمَا نَعَدُّ لَهُمْ عَدًّا ۙ يَوْمَ نَحْشُرُ الْمُتَّقِينَ

उन के लिये गिन्ती गिन रहे हैं। जिस दिन उम मुत्तकियों को छक्का करेंगे रहमान तआला की तरफ

اِلَى الرَّحْمٰنِ وَفَدًا ۙ وَنَسُوۡقِ الْبٰجِرِمِيۡنِ اِلَىٰ جَهَنَّمَ وِرْدًا ۙ

जमाअत दर जमाअत. और उम मुजरिमों को डाँकेंगे जहन्नम की तरफ प्यासा डोने की डालत में.

لَا يَمْلِكُوۡنَ الشَّفَاعَةَ اِلَّا مَنۡ اَتٰخَذَ عِنۡدَ الرَّحْمٰنِ

वो शफाअत के मालिक नहीं होंगे मगर वो जिस ने रहमान तआला के पास कोई अडह ले रभा डो.

عَهْدًا ۙ وَقَالُوۡا اَتَّخَذَ الرَّحْمٰنُ وَلَدًا ۙ لَقَدْ جِئْتُمُ

और वो केडते हैं के रहमान तआला ने औलाह बनाई है. यकीनन तुम ने बडी त्मारी भात कडी है.

شَيْۡءًا اِذَاۙ تَكَادُ السَّمٰوٰتُ يَتَفَطَّرٰنَ مِنْهُ وَا تَنْشَقُّ

के करीब है के आस्मान भी उस से इट जायें और जमीन भी इट पडे और पडास रेजा डो कर गिर पडे.

الْاَرْضُ وَتَخٰزُ الْجِبَالُ هَدًا ۙ اَنۡ دَعَوْا لِلرَّحْمٰنِ وَلَدًا ۙ

इस वजह से के वो रहमान तआला के लिये औलाह का दावा करते हैं. और रहमान तआला के लिये

وَمَا يَنْبَغِيۡ لِلرَّحْمٰنِ اَنۡ يَّتَّخِذَ وَلَدًا ۙ اِنۡ كُلُّ مَنۡ

मुनासिब नहीं है के औलाह बनाये. यकीनन सारे के सारे वो जो आस्मानों और जमीन में हैं

فِي السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ اِلَّا اَتَى الرَّحْمٰنَ عَبَدًا ۙ لَقَدْ اَحْصٰهُمْ

वो रहमान तआला के पास सिई बन्दे की हैसियत से डाजिर डोने वाले हैं. यकीनन अल्लाह ने उन का

وَعَدَّهُمْ عَدًّا ۙ وَكُلَّهُمْ اٰتِيۡهِ يَوْمَ الْقِيٰمَةِ فَرْدًا ۙ

ईडाता कर रभा है और उन की गिनती गिन रहा है. और सब के सब उस के पास कयामत के दिन

اِنَّ الَّذِيۡنَ اٰمَنُوۡا وَعَمِلُوا الصّٰلِحٰتِ سَيَجْعَلُ لَهُمُ الرَّحْمٰنُ

तन्डा आयेगे. यकीनन वो जो ईमान लाये और जो नेक काम करते रहे, अन्करीब रहमान तआला उन के

وَدًّا ۙ فَاَتٰهَا يَسْرٰنُهُ بِلِسٰنِكَ لِتُبَشِّرَ بِهٖ الْمُتَّقِيۡنَ

लिये मडभूबियत रभ देगा. फिर उम ने ही इस कुर्आन को आप की ज्भान में आसान किया है, ताके आप उस के

وَتُنذِرَ بِهٖ قَوْمًا لَّدَا ۙ وَكَمْ اَهْلَكْنَا قَبْلَهُم مِّنۡ قَرٰنٍ

जरिये मुत्तकियों को भशारत दे और उस के जरिये आप जघडावू क्रौम को डराये और उन से पेडले कितनी

هَلْ تَحْسُ مِنْهُمْ مِّنْ أَحَدٍ أَوْ تَسْمَعُ لَهُمْ رِكْزًا ۙ

उम्मतों को हम ने उल्लाक किया. क्या आप उन में से किसी को मडसूस करते हैं या उन की कोई आहट सुनते हैं?

رُكُوعًا ۙ ۸

(۲۰) سُبُوْرًا ۙ ۱۳۵

۱۳۵

और ८ रुकूअ हैं सूअर अे ताडा मक्का में नाजिल हुई ईस में १ उप आयतें हैं

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

पण्डता हूं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निडायत रहम वाला है

طه ۙ مَا أَنْزَلْنَا عَلَيْكَ الْقُرْآنَ لِتَشْقَى ۙ إِلَّا تَذَكَّرَ ۙ

ता डा. हम ने ये कुरआन आप पर ईस लिये नही उतारा ताके आप मशककत उठाअे मगर उतारा है उस शप्स

لِمَنْ يَّخْشَى ۙ تَنْزِيلًا ۙ مِّمَّنْ خَلَقَ الْأَرْضَ وَالسَّمٰوٰتِ

को नसीहत देने के लिये जो डरे. ये उतारा गया है उस अल्लाह की तरफ से जिस ने जमीन और बुलन्द

الْعُلَى ۙ الرَّحْمٰنُ عَلَى الْعَرْشِ اسْتَوٰى ۙ لَهُ مَا فِی السَّمٰوٰتِ

आस्मानों को पैदा किया. रहमान तआला अर्श पर जल्वा अफरोज है. उस की मिल्क हैं वो तमाम चीजें

وَمَا فِی الْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا وَمَا تَحْتَ الثَّرَى ۙ

जो आस्मानों में हैं और जो जमीन में हैं और जो उन के दरमियान में हैं और जो गीली मिट्टी

وَإِنْ تَجَهَّرْ بِالْقَوْلِ فَإِنَّهُ يَعْلَمُ السِّرَّ وَأَخْفَى ۙ اللّٰهُ لَا إِلٰهَ

केनीयेहैं और अगर आप बात को ओर से कहेतो यकीनन रुपकेसे कही हुई बात को और सभ से जयादा छुपाई हुई बात को वो

إِلَّا هُوَ ۙ لَهُ الْأَسْمَاءُ الْحُسْنٰى ۙ وَهَلْ أُنْتِ حَدِيثُ مُوسَى ۙ

जानता है. अल्लाह के सिवा कोई माबूह नही. उस के लिये अखे अखे नाम हैं. क्या आप के पास मूसा (अलैहिस्सलाम)

إِذْ رَأٰ نَارًا فَقَالَ لِأَهْلِهِ امْكُثُوا إِنِّي آنَسْتُ نَارًا ۙ

का किस्सा आया? जब मूसा (अलैहिस्सलाम) ने आग देखी, फिर अपने घर वालों से कहा के तुम ठेडरो! यकीनन

لَعَلِّي آتِيكُمْ مِنْهَا بِقَبَسٍ أَوْ أَجْدُ عَلَى النَّارِ هُدًى ۙ

मैं ने आग देखी है, शायद मैं तुम्हारे पास उस में से कोई शौला ले आऊं या आग पर रहनुमाई पा हूं.

فَلَبَّآ أَنهَآ نُودِىَ یٰمُوسٰى ۙ إِنِّیْ أَنَا رَبُّكَ فَأَخْلَعْ

फिर जब मूसा (अलैहिस्सलाम) आग के पास पडोये तो आवाज दी गई अे मूसा! यकीनन मैं तुम्हारा रब हूं ईस लिये

نَعَلِيكَ ۙ إِنَّكَ بِالْوَادِ الْمُقَدَّسِ طُوًى ۙ وَأَنَا أَخْرَجْتُكَ

अपने रपपल उतार लीजिये. यकीनन आप पाक वादिये तुवा में हैं. और मैं ने आप को मुत्तपण किया,

فَاسْتَبِغْ لِمَا يُؤْتِي ۱۳ إِنَّنِي أَنَا اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا أَنَا

ઈસ લિયે આપ કાન લગા કર સુનિયે ઉસે જો આપ કી તરફ વહી કી જા રહી હે. યકીનન મેં હી અલ્લાહ હું

فَاعْبُدْنِي ۱۴ وَأَقِمِ الصَّلَاةَ لِذِكْرِي ۱۵ إِنَّ السَّاعَةَ آتِيَةٌ

મેરે સિવા કોઈ માબૂદ નહી, ઈસ લિયે આપ મેરી ઈબાદત કીજિયે ઓર મેરી યાદ કે લિયે નમાઝ કાઈમ કીજિયે.

أَكَادُ أَخْفِيهَا لِتَجْزِي كُلُّ نَفْسٍ بِمَا تَسْعَى ۱۵

યકીનન કયામત આને વાલી હે, મેં ઉસે છુપાના ચાહતા હું તાકે હર શખ્સ કો બદલા દિયા જાએ ઉન આમાલ કા જો ઉસ ને

فَلَا يَصُدُّكَ عَنْهَا مَنْ لَا يُؤْمِنُ بِهَا وَاتَّبِعْ هَوَاهُ فَتَرْدَى ۱۶

કિયે. ઈસ લિયે આપ કો હરગિઝ ઉસ સે ન રોકે વો શખ્સ જો કયામત પર ઈમાન નહી રખતા ઓર જો

وَمَا تِلْكَ بِيَمِينِكَ يَمْؤُسَى ۱۷ قَالَ هِيَ عَصَائِي أَتَوَكَّأُ

અપની પ્વાહિશ કે પીછે ચલ પડા હે, ફિર કહી આપ હલાક હો જાએ. ઓર એ મૂસા! આપ કે દાએ હાથ મે કયા હે?

عَلَيْهَا وَأَهْشُ بِهَا عَلَى غَنَيْ وَايَ فِيهَا مَارِبُ

મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) ને અર્ઝ કિયા યે મેરી લાઠી હે. ઉસ પર મેટેક લગાતા હું ઓર ઉસ કે અરિયે મેં પત્તે જાડતા હું અપની બકરિયો

أُخْرَى ۱۸ قَالَ أَلْقَهَا يَمْؤُسَى ۱۹ فَالْقَمَهَا فَإِذَا هِيَ حَيَّةٌ

પર ઓર મેરી ઈસ મેં દૂસરી ભી હાજતે હે. અલ્લાહ ને ફરમાયા એ મૂસા! ઈસ કો ડાલ દીજિયે. ફિર મૂસા (અલૈહિસ્સલામ)

تَسْعَى ۲۰ قَالَ خُذْهَا وَلَا تَخَفْ وَقَفَةً سَنُعِيدُهَا سِيرَتَهَا

ને ઉસ કો ડાલ દિયા તો અચાનક વો સાંપ બન ગયા દૌડતા હુવા. અલ્લાહ ને ફરમાયા કે ઉસ કો પકડ લીજિયે ઓર

الْأُولَى ۲۱ وَأَضْمَمُ يَدَكَ إِلَى جَنَاحِكَ تَخْرُجُ بَيْضَاءَ

ન ડરિયે. અન્કરીબ હમ ઉસે ઉસ કી પેહલી હાલત પર લૌટા દેગે. ઓર અપના હાથ અપની બગલ મેં દબા દીજિયે,

مِنْ غَيْرِ سَوْءٍ آيَةٌ أُخْرَى ۲۲ لِنُرِيكَ مِنْ آيَاتِنَا الْكُبْرَى ۲۳

વો બગેર કિસી બુરાઈ કે સફેદ હો કર નિકલેગા. યે દૂસરે મોઅજિઝે કે તોર પર (દિ રહે હે). તાકે હમ આપ કો દિખાએ

إِذْهَبْ إِلَى فِرْعَوْنَ إِنَّهُ طَغَى ۲۴ قَالَ رَبِّ اشْرَحْ

હમારી બડી નિશાનિયો મેંસે. આપ જાઈએ ફિરઓન કે પાસ, યકીનન ઉસ ને સરકશી કી હે. મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) ને દુઆ કી

لِي صَدْرِي ۲۵ وَيَسِّرْ لِي أَمْرِي ۲۶ وَأَحْلِلْ عُقْدَةً مِّنْ لِّسَانِي ۲۷

એ મેરે રબ! મેરે લિયે મેરા સીના ખોલ દીજિયે. ઓર મેરે લિયે મેરે મુઆમલે મેં આસાની કર દીજિયે. ઓર મેરી ઝબાન

يَفْقَهُوا قَوْلِي ۲۸ وَاجْعَلْ لِي وَزِيرًا مِّنْ أَهْلِي ۲۹

કી ગિરહ ખોલ દીજિયે. તાકે વો મેરી બાત કો સમજ સકે ઓર મેરે લિયે મેરે ઘર વાલો મેં મદદગાર મુકરર કર દીજિયે.

هَرُونَ أَخِي ۞ اشْدُدْ بِهِ أَزْرِي ۞ وَأَشْرِكُهُ

(یانی) میرے بھائی ہرون کو (مہمگوار مکرر کر دیجیے). اس کے زریے میری کھوت کو اور بھٹا دیجیے.

فِي أَمْرِي ۞ كَى نَسَبِكَ كَثِيرًا ۞ وَنَذَّرَكَ كَثِيرًا ۞ إِنَّكَ

اور اس کو میرے مہماملے میں شریک بنا دیجیے. تاکہ ہم آپ کی تہنہ بھ کرے بھوت جیادہ. اور بھوت جیادہ

كُنْتَ بِنَا بَصِيرًا ۞ قَالَ قَدْ أُوتِيتَ سُؤْلَكَ يَا مُوسَى ۞

آپ کو یاد کرے یکنین آپ بھمہم رھے ہے. اھلاہ نہ فرمایا اے موسا! آپ کو آپ کا سوال یکنین دھیا

وَلَقَدْ مَنَّا عَلَيْكَ مَرَّةً أُخْرَى ۞ إِذْ أَوْحَيْنَا إِلَىٰ أُمِّكَ

جیا. یکنین ہم نے آپ پر اےک دھسری مرتبہ (بھ) اھساں کیا ہے. جب ہم نے آپ کی ماں کی تہنہ بھ کی،

مَا يُوحَىٰ ۞ إِنِ اقْدَفِيهِ فِي التَّابُوتِ فَاقْدِفِيهِ

جو اھ بھ کی جی رھی ہے. کہ تہم موسا کو ڈال دے سہک میں، کیر اس کو سمنہر میں ڈےک دے،

فِي الْيَمِّ ۞ فَلْيُلْقِهِ الْيَمُّ بِالسَّاحِلِ يَأْخُذْهُ عَدُوٌّ

کیر سمنہر اس کو کینارے پر ڈےک دےگا، اس کو میرا اور اس کا دھسمن لے لےگا. اور میں نے آپ پر

لِيَّ وَ عَدُوٌّ لَهُ ۞ وَالْقَيْتُ عَلَيْكَ مَحَبَّةً مِّمِّيَّ ۞ وَلِيُصْنَعَ

آپنی تہنہ سے مھبھت ڈال دی. اور اس لیے تاکہ آپ کی پھریش میری ڈیکڑت میں بھو.

عَلَىٰ عَيْنِي ۞ إِذْ تَمْشِي أُخْتُكَ فَتَقُولُ هَلْ أَدُلُّكُمْ عَلَىٰ مَنْ

جب آپ کی بھٹےن بھ رھی تھی، اور وہ بھ رھی تھی، کیا میں تہم بھ پتا بھلاؤ اےسے دھر والوں

يَكْفُلُهُ ۞ فَرَجَعْنَا إِلَىٰ أُمِّكَ كَى تَقَرَّ عَيْنُهَا

کا جو اس کی پھریش کرے؟ کیر ہم نے آپ کو لھٹایا آپ کی ماں کی تہنہ تاکہ ان کی آںبھ بھڈی بھو

وَلَا تَحْزَنَ ۞ وَقَتَلْتَ نَفْسًا فَنَجَّيْنَاكَ مِنَ الْغَمِّ وَفَتَنَّاكَ

اور وہ گمگین نہ بھو. اور آپ نے اےک شہس کو کتل کیا، کیر ہم نے آپ کو نہجائ دی گم سے اور ہم نے

فُتُونًا ۞ فَلَبِثْتَ سِنِينَ فِي أَهْلِ مَدْيَنَ ۞ ثُمَّ جِئْتَ

آپ کو کھ بھٹبھانوں سے جھارا. کیر آپ مھبن والوں میں کھ سال رھے. کیر اے موسا!

عَلَىٰ قَدَرٍ يُّمُوسَى ۞ وَأَصْطَنَعْتُكَ لِنَفْسِي ۞ إِذْ هَبَّ

مکررہا بھت پر آپ آا گھے. اور میں نے آپ کو بھاس آپنے لیے مھتھبھ کیا. آپ اور آپ کا

أَنْتَ وَأَخُوكَ بِأَيْتِي وَلَا تَنِيَا فِي ذِكْرِي ۞ إِذْ هَبَا

بھ بھ میرے مھبھجائت لے کر جھبھے، اور میری یاد میں کھٹا بھ نہ کیجیے. تہم دھنوں جھو

إِلَىٰ فِرْعَوْنَ إِنَّهُ طَغَىٰ ﴿۳۲﴾ فَقُولَا لَهُ قَوْلًا لَّيِّنًا لَّعَلَّهُ

ફિરઓન کے پاس ઈસ લિયે કે ઉસ ને સરકશી કી હૈ. ફિર ઉસ સે નર્મ બાત કહો, શાયદ વો નસીહત

يَتَذَكَّرُ أَوْ يَخْشَىٰ ﴿۳۳﴾ قَالَا رَبَّنَا إِنَّنَا نَخَافُ أَنْ يَفْرُطَ

હાસિલ કરે યા ડરે. વો દોનોં કેહને લગે એ હમારે રબ! યકીનન હમ ડરતે હૈ ઈસ સે કે વો હમ પર

عَلَيْنَا أَوْ أَنْ يَطْغَىٰ ﴿۳۴﴾ قَالَ لَا تَخَافَا إِنِّي مَعَكُمَا

ઝયાદતી કરે યા ઝુલ્મ કરે. અલ્લાહ ને ફરમાયા કે મત ડરો, ઈસ લિયે કે મૈં તુમહારે સાથ હૂં, મૈં સુન

أَسْمِعُ وَأَرَىٰ ﴿۳۵﴾ فَأْتِيَهُ فَقَوْلَا إِنَّا رَسُولَا رَبِّكَ فَأَرْسِلْ

ભી રહા હૂં ઓર દેખ ભી રહા હૂં. ફિર તુમ ઉસ કે પાસ જાઓ, ફિર ઉસ સે કહો કે યકીનન હમ તેરે રબ કે ભેજે

مَعَنَا بِنْيَ إِسْرَائِيلَ وَلَا تُعَذِّبْهُمْ ۖ قَدْ جِئْنَاكَ بِآيَةٍ

હુવે પૈગમ્બર હૈ, ઈસ લિયે તૂ બની ઈસ્રાઈલ કો હમારે સાથ ભેજ દે ઓર તૂ ઉન્હે અઝાબ ન દે. યકીનન હમ તેરે પાસ

مِّنْ رَبِّكَ ۖ وَالسَّلَامُ عَلَيَّ مَنِ اتَّبَعَ الْهُدَىٰ ﴿۳۶﴾ إِنَّا قَدْ

તેરે રબ કી તરફ સે મોઅજિઝા લે કર આએ હૈ. ઓર સલામતી હૈ ઉસ પર જો હિદાયત કે પીછે ચલે. યકીનન

أَوْحَىٰ إِلَيْنَا أَنَّ الْعَذَابَ عَلَىٰ مَنْ كَذَّبَ وَتَوَلَّىٰ ﴿۳۷﴾ قَالَ

હમારી તરફ વહી કી ગઈ હૈ કે અઝાબ (નાઝિલ હોગા) ઉસ પર જો જુઠલાએ ઓર ઐરાઝ કરે. ફિરઓન ને પૂછા

فَمَنْ رَبُّكُمَا يُؤْتِيهِمَا قَالَا رَبُّنَا الَّذِي أَعْطَىٰ كُلَّ شَيْءٍ

કે તુમહારા કૌન રબ હૈ એ મૂસા? મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) ને ફરમાયા હમારા રબ વો હૈ જિસ ને હર ચીઝ કો ઉસ કા વુજૂદ

خَلَقَهُ ثُمَّ هَدَىٰ ﴿۳۸﴾ قَالَ فَمَا بَالُ الْقُرُونِ الْأُولَىٰ ﴿۳۹﴾

અતા ક્રિયા, ફિર ઉસ ને રહનુમાઈ કી. ફિરઓન ને કહા ફિર પેહલી કૌમોં કા કયા હાલ હુવા?

قَالَ عِلْمُهَا عِنْدَ رَبِّي فِي كِتَابٍ لَا يَضِلُّ رَبِّي وَلَا يَنْسَىٰ ﴿۴૦﴾

મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) ને ફરમાયા ઉસ કા ઈલ્મ મેરે રબ કે પાસ હૈ ક્રિતાબ મે. મેરા રબ ન ભટકતા હૈ ઓર ન ભૂલતા હૈ.

الَّذِي جَعَلَ لَكُمُ الْأَرْضَ مَهْدًا وَوَسَّلَكَ لَكُمُ فِيهَا

વો અલ્લાહ જિસ ને તુમહારે લિયે ઝમીન કો ગેહવારા બનાયા ઓર જિસ ને ઝમીન મેં તુમહારે લિયે રાસ્તે

سُبُلًا وَأَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ مَاءً ۖ فَأَخْرَجْنَا بِهِ أَزْوَاجًا

બનાએ ઓર જિસ ને આસ્માન સે પાની ઉતારા. ફિર હમ ને ઉસ કે ઝરિયે મુખ્તલિફ નબાતાત

مِّنْ نَّبَاتٍ شَتَّىٰ ﴿۴૧﴾ كُلُوا وَارْعَوْا أَنْعَامَكُمْ ۗ إِنَّ فِي

કે જોડોં કો નિકાલા. કે તુમ ખાઓ ઓર અપને ચૌપાઓં કો ચરાઓ. યકીનન ઉસ

ذٰلِكَ لَاۤ اِلٰهَ اِلَّاۤ اِلٰهُنَا الَّذِيْ اٰتٰنَا مِنْهَا حَآخُنَا وَفِيْهَا

में अकल वालों के लिये निशानियां हैं। मिट्टी ही से हम ने तुम्हें पैदा किया है और उसी में

نُعِيْدُكُمْ وَمِنْهَا نُخْرِجُكُمْ تَارَةً اٰخَرٰى ۝۵۵

हम तुम्हें दोबारा लौटाएंगे और उसी से हम तुम्हें दूसरी भरतभा निकालेंगे।

وَلَقَدْ اَرٰيْنٰهُ اٰيٰتِنَا كَلٰهًا فَكَذَّبَ وَاٰبٰى ۝۵۶

यकीनन हम ने फिरऔन को अपने सारे मोअजिआत दिखलाये, फिर भी उस ने जूठलाया और धन्कार किया।

اٰجٰتِنَا لِتُخْرِجَنَا مِنْ اَرْضِنَا بِسِحْرِكِ يٰمُوسٰى ۝۵۷

फिरऔन ने कहा क्या तुम हमारे पास इस लिये आये हो ताके हमे हमारे मुल्क से निकाल दो अपने जादू के ओर से

فَلَنَاۤ اَتِيْنٰكَ بِسِحْرِ مِّثْلِهٖ فَاَجْعَلْ بَيْنَنَا وَبَيْنَكَ

अे मूसा? फिर हम जरूर आप के पास उसी जैसा जादू लाएंगे, फिर हमारे और आप के दरमियान अेक मुकर्ररा वकत

مَوْعِدًا لَّا نُخْلِفُهٗ نَحْنُ وَلَاۤ اَنْتَ مَكٰنًا سُوٰى ۝۵۸

तय कीजिये के न हम उस से पीछे रहें और न तुम, (ये मुकाबला) अेक हमवार मैदान (में) होना याडिये।

قَالَ مَوْعِدُكُمْ يَوْمَ الرِّيٰنَةِ وَاَنْ يُّحْشَرَ النَّاسُ

मूसा (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया के तुम्हारा मुकर्ररा वकत एद का दिन है और ये के याशत के वकत तमाम लोग

ضٰعٰى ۝۵۹ فَتَوَلٰى فِرْعَوْنُ فَجَمَعَ كَيْدَهٗ ثُمَّ اٰتٰى ۝۶۰

जमा हो जाओ। फिर फिरऔन वापस लौटा, फिर उस ने अपने मकर व इरेब को जमा किया, फिर वो आया।

قَالَ لَهُمْ مُّوسٰى وَيٰۤاَيُّكُمْ لَا تَفْتَرُوْا عَلٰى اللّٰهِ كَذِبًا

मूसा (अलैहिस्सलाम) ने उन से कहा के तुम्हारा नास हो! अल्लाह पर जूठ मत घडो वरना

فِيْسِحْرِكُمْ بِعَذَابٍ ؕ وَقَدْ خَابَ مِّنْ اٰفْرٰى ۝۶۱

वो तुम्हें अजाब के जरिये उलाक कर देगा। और यकीनन नाकाम होता है वो शप्स जो जूठ घडता है।

فَتَنٰزَعُوْا اَمْرَهُمْ بَيْنَهُمْ وَاَسْرُوْا النَّجْوٰى ۝۶۲

फिर उन्डों ने अपने मुआमले में आपस में धप्तिलाइ किया और युपके से सरगोशी की।

قَالُوْا اِنْ هٰذٰنِ لَسِحْرٰنِ يُرِيْدٰنِ اَنْ يُخْرِجُكُمْ

उन्डों ने कहा के भेशक ये दोनो जादूगर हैं, ये याडते हैं के तुम्हें अपने मुल्क से अपने जादू के ओर

مِّنْ اَرْضِكُمْ بِسِحْرِهِمَا وَيَذْهَبَا بِطَرِيْقَتِكُمْ

से निकाल दें और तुम्हारे अरखे तरीके को भत्म कर दें।

الْمُتَلِي ۱۳۳ ﴿۱۳۳﴾ فَاجْمِعُوا كَيْدَكُمْ ثُمَّ ائْتُوا صَفَاً وَقَدْ

ઇસ લિયે અપની તદબીર ઇકટ્ટી કરો, ફિર તુમ સફ બના કર આઓ. ઓર યકીનન

أَفْلَحَ الْيَوْمَ مَنِ اسْتَعْلَى ۱۳۴ ﴿۱۳۴﴾ قَالُوا يَهُوسَىٰ إِمَّا

કામ્યાબ હોગા વહી શખ્સ જો આજ ગાલિબ રહેગા. ઉન્હોં ને કહા એ મૂસા! યા તુમ

أَنْ تُلْقَىٰ وَإِمَّا أَنْ تَكُونَ أَوَّلَ مَنْ أَلْقَىٰ ۱۳۵ ﴿۱۳۵﴾ قَالَ

ડાલો યા હમ પેહલે ડાલો. મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) ને ફરમાયા બલકે તુમ ડાલો! ફિર અચાનક

بَلُ الْقَوَّاءِ فَرَادًا جِبَالَهُمْ وَعِصِيَّهُمْ يُخَيَّلُ إِلَيْهِ

ઉન કી રસ્સિયાં ઓર ઉન કી લાઠિયાં ઉન કે સામને ઉન કે જાદૂ કે ઝોર સે મતુખયલ હોને

مِنْ سِحْرِهِمْ أَتَّهَا تَسْعَى ۱۳۶ ﴿۱۳۶﴾ فَأَوْجَسَ فِي نَفْسِهِ

લગી કે વો દૌડ રહી હૈ. ફિર મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) ને અપને જી મે ખોફ મહસૂસ કિયા. હમ ને કહા આપ

خَيْفَةً مُّوسَىٰ ۱۳۷ ﴿۱۳۷﴾ قُلْنَا لَا تَخَفْ إِنَّكَ أَنْتَ الْأَعْلَىٰ ۱۳۸ ﴿۱۳۸﴾

ન ડરિયે, યકીનન તુમ હી બુલન્દ રહોગે. ઓર આપ ડાલ દે ઉસે જો આપ કે દાએ હાથ મેં હે,

وَأَلْقَىٰ مَا فِي يَمِينِكَ تَلْقَفْ مَا صَنَعُوا ط إِنْشَاءً

વો નિગલ લેગા ઉન ચિઝોં કો જો વો બના કર લાએ હૈ. વો જો બના કર લાએ હૈ

صَنَعُوا كَيْدُ سَجِرٍ ۱۳۹ ﴿۱۳۹﴾ وَلَا يُفْلِحُ السَّاحِرُ حَيْثُ أَتَىٰ ۱۴۰ ﴿۱۴۰﴾

વો સિફ જાદૂગર કા મકર હૈ. ઓર જાદૂગર કામ્યાબ નહી હોતા જહાં વો જાએ. ફિર જાદૂગર સજદે મેં ગિર

فَأَلْقَى السَّحْرَةَ سُجَّدًا قَالُوا أَمَّا بِرَبِّ هَرُونَ

ગએ, વો કેહને લગે કે હમ મૂસા ઓર હારૂન કે રબ પર ઇમાન લે આએ. ફિર ઓન ને કહા કયા તુમ

وَمُوسَىٰ ۱۴۱ ﴿۱۴۱﴾ قَالَ أَمْنَتُمْ لَهُ قَبْلَ أَنْ أَدْنَىٰ لَكُمْ ط إِنَّهُ

ઉસ પર ઇમાન લે આએ ઇસ સે પેહલે કે મેં તુમહે ઇજાઝત દૂં? યકીનન

لَكَبِيرِكُمُ الَّذِي عَلِمَكُمُ السَّحْرَةَ فَلَا قُطْعَنَ أَيْدِيكُمْ

યે મૂસા તુમ મેં સે બડા હૈ જિસ ને તુમહે જાદૂ સિખલાયા હૈ. તો મેં તુમહારે હાથ ઓર પૈર

وَأَرْجُلَكُمْ مِّنْ خِلَافٍ وَلَا وَصَلَبَتَكُمْ فِي جُدُوعٍ

જાનિબે મુખાલિફ સે કાટ દૂંગા, ફિર મેં તુમહે ખજૂર કે તનોં મેં સૂલી પર ચળાઉંગા. ઓર તુમહે માલૂમ હો જાએગા

النَّحْلِ ۱۴۲ ﴿۱۴۲﴾ وَلَتَعْلَمَنَّ آيُنَا أَسَدًا عَذَابًا وَآلِقَىٰ ۱۴۳ ﴿۱۴۳﴾ قَالُوا

કે કૌન ઝયાદા સખ્ત અઝાબ વાલા હૈ ઓર કૌન ઝયાદા બાકી રેહને વાલા હૈ. ઉન્હોં ને કહા કે

لَنْ تُؤْشِرَكَ عَلَىٰ مَا جَاءَنَا مِنَ الْبَيْتِ وَالَّذِي

ہم تو جہے ڈرگیا تر جہے نہی ہوں گے ان روشن مو ا جی ات پر جو ہمارے پاس آئے اور

فَطَرْنَا فَاَقْضِ مَا أَنْتَ قَاضٍ ۖ إِنَّمَا تَقْضِي هَذِهِ

اس اہلاہ پر جس نے ہمیں پہنچا دیا، اس لیے تو کر لے جو تو جہے کرنا ہے۔ تو تو سب سے اس دھرتی کی جی کر

الْحَيَاةَ الدُّنْيَا ۗ إِنَّا أُمَّةٌ لِّرَبِّنَا لِيَغْفِرَ لَنَا خَطِيئَاتِنَا

ہم کر سکتا ہے۔ ہم تو ایمان لے آئے ہیں ہمارے رب پر تاکہ وہ ہماری پتا آئے ماف کر دے اور اس کو ماف کر دے

وَمَا أَكْرَهْتَنَا عَلَيْهِ مِنَ السِّحْرِ ۗ وَاللَّهُ خَيْرٌ

جس جادو پر تو نے ہمیں مجبور کیا۔ اور اہلاہ بہتر ہے اور باقی

وَأَبْقَى ۗ إِنَّهُ مَنْ يَأْتِ رَبَّهُ مُجْرِمًا فَإِنَّ لَهُ

رہنے والا ہے۔ یقیناً جو بھی اپنے رب کے پاس مجرم بن کر آئے گا تو یقیناً اس کے

جَهَنَّمَ ۗ لَا يَمُوتُ فِيهَا وَلَا يَحْيَىٰ ۗ وَمَنْ يَأْتِهِ

لیے جہنم ہے، جس میں وہ مرے گا اور نہ جیے گا۔ اور جو اس کے پاس مومین بن کر آئے گا،

مُؤْمِنًا قَدْ عَمِلَ الصَّالِحَاتِ فَأُولَٰئِكَ لَهُمُ الدَّرَجَاتُ

جس نے آما لے سالیہا بھی کیے ہوں گے تو ان کے لیے بولندہ درجہات ہوں گے۔

الْعُلَىٰ ۗ جَدَّتْ عَدْنٌ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ

جنااتے اہن ہوں گی، جن کے نیچے سے نہر بہتی ہوں گی، جن میں وہ ہمیشہ رہیں گے۔

خُلْدَيْنِ فِيهَا ۗ وَذَٰلِكَ جَزَاؤُا مَنْ تَزَكَّىٰ ۗ

اور یہ اس شمس کا بھلا ہے جو پاک سا رہے۔ یقیناً ہم نے مہسا (اہل اہلسلام) کی ترس

وَلَقَدْ أَوْحَيْنَا إِلَىٰ مُوسَىٰ ۙ أَنْ أَسْرِ بِعِبَادِي

وہی کی کے میرے بندوں کو لے کر رات کے وقت نکل جائے،

فَأَضْرَبْ لَهُمْ طَرِيقًا فِي الْبَحْرِ يَبَسًا ۚ لَا تَخَفْ

ہیں ان کے لیے سمندر میں خشک راستا بنانے کے لیے (اسا) مارے، پکڑے جانے کا نہ آپ کو

دَرْكًا وَلَا تَخْشَىٰ ۗ فَاتَّبَعَهُمْ فِرْعَوْنُ بِجُنُودِهِ

پوکے ہوگا، نہ ڈر۔ ہیں ہیں اپنا لشکر لے کر ان کے پیچھے آیا، ہیں ان کو

فَعَشِيَهُمْ مِّنَ الْيَمِّ مَا غَشِيَهُمْ ۗ وَأَضَلَّ فِرْعَوْنُ

دوبو دیا سمندر نے جیسا کے دوبو۔ اور ہیں نے اپنی کوم کو

قَوْمَهُ وَمَا هَدَىٰ ۝ يَبْنَئِ إِسْرَائِيلَ قَدْ أَنْجَيْنَاكُمْ

गुमराड किया और उस ने रास्ता नहीं दिखाया. ओ बनी इस्राईल! यकीनन उम ने तुम्हें

مِّنْ عَدُوِّكُمْ وَوَعَدْنَاكُمْ جَانِبَ الطُّورِ الْأَيْمَنِ

नजात दी तुम्हारे दुश्मन से और उम ने तुम से वादा किया कोडे तूर की दाईं जानिब का,

وَنَزَّلْنَا عَلَيْكُمُ الْمَنَّاءَ وَالسَّلْوىَ ۝ كَلُوا

और उम ने तुम पर मन्न व सल्वा उतारा. जाओ उन पाकीजा थीजों में से जो उम ने तुम्हें

مِنْ طَيِّبَاتِ مَا رَزَقْنَاكُمْ وَلَا تَطْغَوْا فِيهِ فَيَحِلَّ

रोजी के तौर पर दी हैं और उन में सरकशी मत करो, वरना तुम पर मेरा

عَلَيْكُمْ غَضَبِي ۚ وَمَنْ يَّحِلِّ عَلَيْهِ غَضَبِي فَقَدْ

गजब उतरेगा. और जिस पर मेरा गजब उतरेगा तो यकीनन वो (जहन्नम में) गिर गया.

هُوَّىٰ ۝ وَإِنِّي لَعَفَّارٌ لِّمَن تَابَ وَآمَنَ وَعَمِلَ

और यकीनन मैं बप्शाने वाला हूँ उस शप्स को जिस ने तौबा की, और जो ईमान लाया और जिस ने

صَالِحًا ثُمَّ اهْتَدَىٰ ۝ وَمَا أَعْجَلَكَ عَنْ قَوْمِكَ

आमावे सालेडा किये, फिर उस ने डिहायत पाई. और आप को अपनी कौम से क्या थीज जल्दी लाई,

يُمُوسَىٰ ۝ قَالَ هُمْ أَوْلَاءُ عَلَىٰ أَثَرِي وَعَجِلْتُ

ओ मूसा? मूसा (अलैडिस्सलाम) ने अर्ज किया के ये लोग मेरे पीछे हैं और मैं आप के पास जल्दी

إِلَيْكَ رَبِّ لِتَرْضَىٰ ۝ قَالَ فَإِنَّا قَدْ فَتَنَّا قَوْمَكَ

आया, ओ मेरे रब! ताके आप राजी हो जाओ अल्लाड ने इरमाया के यकीनन उम ने आप की कौम को आप के

مِّنْ بَعْدِكَ وَأَضَلَّهُمُ السَّامِرِيُّ ۝ فَرَجَعَ

बाद बला में मुब्तला किया है और उन को सामिरी ने गुमराड कर दिया है. फिर मूसा (अलैडिस्सलाम)

مُوسَىٰ إِلَىٰ قَوْمِهِ غَضْبَانَ أَسِفَاءَ قَالَ يَقَوْمِ

अपनी कौम की तरफ वापस लौटे गुस्सा डोते हुवे, अइसोस करते हुवे. मूसा (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया

أَلَمْ يَعِدْكُمْ رَبُّكُمْ وَعَدَّاءَ حَسَنَاءَ أَفَطَالَ

ओ मेरी कौम! क्या तुम से तुम्हारे रब ने अरध्ण वादा नहीं किया था? क्या फिर तुम पर लम्बा जमाना

عَلَيْكُمُ الْعَهْدُ أَمْ أَرَدْتُمْ أَنْ يَّحِلَّ عَلَيْكُمْ

गुजर गया या तुम ने ईरादा किया के तुम पर अपने रब की

وَلَمْ تَرْقُبْ قَوْلِي ﴿۹۶﴾ قَالَ فَمَا خَطْبُكَ يُسَامِرِيُّ ﴿۹۷﴾

اور تू ने मेरी बात का बिछाऊ नही किया. भूसा (अलौहिस्सलाम) ने पूछा फिर तेरा क्या हाल है, अे सामिरी?

قَالَ بَصُرْتُ بِمَا لَمْ يَبْصُرُوا بِهِ فَقَبَضْتُ قَبْضَةً

सामिरी ने कडा के मैं ने देभा वो जिस को उन्डों ने नही देभा, तो मैं ने अेक मुट्टी भर ली थी अद्लाड के भेजे हुवे

مِّنْ أَثَرِ الرَّسُولِ فَنَبَذْتُهَا وَكَذَلِكَ سَوَّلْتِ لِي

इरिश्ते के निशाने कदम की, फिर मैं ने उस को डाल दिया और एसी तरड मेरे नफस ने मुजे ये बात

نَفْسِي ﴿۹۸﴾ قَالَ فَاذْهَبْ فَإِنَّ لَكَ فِي الْحَيَاةِ

समजाई. भूसा (अलौहिस्सलाम) ने इरभाया के फिर तू जा! यकीनन तेरे लिये हुन्यवी जिन्दगी मे ये सजा है के

أَنْ تَقُولَ لَا مِسَاسَ ۖ وَإِنَّ لَكَ مَوْعِدًا لَّنْ تَخْلَفَنَّهُ ۗ

तू केडता इरे 'ला मसस' (मुजे मत धूना). और यकीनन तेरे लिये वादे का वकत मुकरर है, जिस के तू

وَأَنْظُرْ إِلَى إِلْهِكَ الَّذِي ظَلْتَ عَلَيْهِ عَاكِفًا ۗ

आगे पीछे नही हो सकेगा. और देभ अपने उस माभूद की तरफ जिस पर तू जमा भैठा था.

لَنْحَرِقَنَّهُ ثُمَّ لَنَنْسِفَنَّهُ فِي الْيَمِّ نَسْفًا ﴿۹۹﴾ إِنَّمَا إِلَهُكُمُ

के डम उसे जला देते हैं, फिर उसे रेजा रेजा कर के समन्दर में डूंक देते हैं. तुम्हारा माभूद तो वही

اللَّهُ الَّذِي لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۖ وَسِعَ كُلَّ شَيْءٍ عِلْمًا ﴿۱۰۰﴾

अद्लाड है जिस के सिवा कोई माभूद नही. जो डर यीज पर एल्म के अैतेभार से वसीअ है.

كَذَلِكَ نَقُصُّ عَلَيْكَ مِنْ أَنْبَاءِ مَا قَدْ سَبَقَ ۗ وَقَدْ

एसी तरड डम आप के सामने भयान करते हैं उन यीजों की भबरों में से जो गुजर चुकी हैं. और यकीनन

آتَيْنَكَ مِنْ لَدُنَّا ذِكْرًا ۖ مَّنْ أَعْرَضَ عَنْهُ فَإِنَّهُ

डम ने आप को अपने पास से अेक नसीहतनामा दिया है. जो भी उस से अैराज करेगा तो यकीनन

يَجْمَلُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ وِزْرًا ﴿۱۰۱﴾ خَلِيدِينَ فِيهِ ۗ وَسَاءَ لَهُمْ

वो कयामत के दिन भोज उठायेगा. जिस में वो डमेशा रहेंगे. और उन के लिये कयामत के दिन

يَوْمَ الْقِيَامَةِ حِمْلًا ﴿۱۰۲﴾ يَوْمَ يُنْفَخُ فِي الصُّورِ وَنَحْشُرُ

वो भडोत भुरा भोज डोगा. जिस दिन सूर में डूंक मारी जायेगी और डम मुजरिमों को उस दिन

الْمُجْرِمِينَ يَوْمَئِذٍ زُرْقًا ﴿۱۰۳﴾ يَتَخَفَتُونَ بَيْنَهُمْ إِنْ

नीली आंभो वाले डोने की डालत में डकडा करेंगे. वो आपस में सरगोशी करेंगे के तुम

لَبِثْتُمْ إِلَّا عَشْرًا ﴿۱۳﴾ نَحْنُ أَعْلَمُ بِمَا يَقُولُونَ

نہی ٹھہرے مگر دس (دین). ہم جوں جانتے ہیں اسے جو وہ کہہ رہے ہیں کہ ان میں سے

إِذْ يَقُولُ امثالهم طريقتة إن لبثتم إلا يومًا ﴿۱۴﴾

اچھا بھلا تر راجہ والا کہے گا کہ تم نہی ٹھہرے مگر ایک دین.

وَيَسْأَلُونَكَ عَنِ الْجِبَالِ فَقُلْ يَنْسِفُهَا رَبِّي نَسْفًا ﴿۱۵﴾

اور یہ آپ سے پوچھتے ہیں کہ پہاڑوں کے متعلق. آپ فرما دیجیے کہ میرا رب ان کو ریزا ریزا

فَيَذَرُهَا قَاعًا صَفْصَفًا ﴿۱۶﴾ لَا تَرَى فِيهَا عِوَجًا

کر دے گا. اور ان کو چٹیل میدان کر دے گا. جس میں تم نہ کچھ دیکھو گے اور

وَلَا أَمْتًا ﴿۱۷﴾ يَوْمَئِذٍ يَتَّبِعُونَ الدَّاعِيَ لَا عِوَجَ لَهُ ۚ

نہ کوئی تیل. اس دین میں وہ ایک پکارنے والے کے پیچھے چلتے ہوں گے جس کے سامنے کوئی کچھ نہی ہوگی.

وَخَشَعَتِ الْأَصْوَاتُ لِلرَّحْمَنِ فَلَا تَسْمَعُ إِلَّا هَمْسًا ﴿۱۸﴾

اور آوازیں رعبان تھامنے کے سامنے پست ہوں گی، اور تم نہی سُن سکو گے سوا سے ہلکی آواز کے.

يَوْمَئِذٍ لَا تَنْفَعُ الشَّفَاعَةُ إِلَّا مَنْ أَذِنَ لَهُ الرَّحْمَنُ

اس دین میں سفارش نہی دے گی مگر اس کو جسے رعبان تھامنے سے اجازت دے

وَرَضِيَ لَهُ قَوْلًا ﴿۱۹﴾ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ

اور جس کا بولنا پسند کرے. وہ جانتا ہے ان چیزوں کو جو ان کے آگے ہیں

وَمَا خَلْفَهُمْ وَلَا يُحِيطُونَ بِهِ عِلْمًا ﴿۲۰﴾ وَعَدَّتِ الْوُجُوهُ

اور جو ان کے پیچھے ہیں اور وہ اس کا علم کے اعتبار سے چھٹاتا نہی کر سکتے. اور تمام چہرے گھبرا

لِلْحَيِّ الْقَيُّومِ ۗ وَقَدْ خَابَ مَنْ حَمَلَ ظُلْمًا ﴿۲۱﴾

رہنے والے، تھامنے والے کے سامنے آجیٹ ہوں گے. اور یقیناً نا کام ہوا وہ جو ظلم اٹھا کر لایا.

وَمَنْ يَعْمَلْ مِنَ الصَّالِحَاتِ وَهُوَ مُؤْمِنٌ فَلَا يَخَفُ

اور جو اچھے کاموں سے لگے ہو اور ایمان میں ہو تو اسے نہ ظلم کا اندیشہ

ظُلْمًا وَلَا هَضْمًا ﴿۲۲﴾ وَكَذَلِكَ أَنْزَلْنَاهُ قُرْآنًا عَرَبِيًّا

ہوگا، نہ کھٹکائی کا. اور اسی طرح ہم نے اسے عربی والا کُراآن بنا کر اتارا ہے

وَوَصَّوْنَا فِيهِ مِنَ الْوَعِيدِ لَعَلَّهُمْ يَتَّقُونَ

اور اس میں ہم نے وعیدوں کا بیان کیا ہے تاکہ وہ ڈر کر رہیں

أَوْ يُحَدِّثُ لَهُمْ ذِكْرًا ۝ فَتَعَلَى اللَّهِ الْمَلِكُ الْحَقُّ ۝

یا یہ کُورآنِ اِن میں سوچ پیدہ کرے۔ کَیر اَللہا اہ ہرتر ہے، جو ہر اہک ہادشاہ ہے۔

وَلَا تَعْجَلْ بِالْقُرْآنِ مِنْ قَبْلِ أَنْ يُقْضَىٰ إِلَيْكَ

اور آپ کُورآن میں جلدی نہ کیجیے آپ کی ترکھ اوس کی وادی ہاتم اہنے سے پہلے۔

وَحُيِّهِ ۚ وَقُلْ رَبِّ زِدْنِي عِلْمًا ۝ وَلَقَدْ عَرِهْدْنَا

اور یوں کھدیے ' رَبِّ زِدْنِي عِلْمًا ' (اے میرے رب! مجھے جیادہ اہلم دے)۔ اور یکی نہن اہم نے اہس سے پہلے

إِلَىٰ آدَمَ مِنْ قَبْلِ فَنَسِيَ ۖ وَلَمْ نَجِدْ لَهُ عَزْمًا ۝

آادم (اہلئہسسالام) سے اہدہ لیا تھا، کَیر وہ ہل ل گئے اور اہم نے اِن میں اجم نہی پایا۔

وَإِذْ قُلْنَا لِلْمَلٰٓئِكَةِ اسْجُدُوا لِآدَمَ فَسَجَدُوا

اور جب اہم نے کَیرشئو سے کھا کے توم آادم کو سجدہ کرے تو اِن تمام نے سجدہ کیا مگر اہلئیس نے

إِلَّا إِبْلِيسَ ۖ ابْتٰى ۝ فَقُلْنَا يَا آدَمُ إِنَّ هٰذَا عَدُوٌّ لَّكَ

اوس نے اہنکار کیا۔ کَیر اہم نے کھا کے اے آادم! یکی نہن یہ تومدارا اور تومداری ہوی کا دوشمان ہے،

وَلِيُرْزِقَكَ فَلَا يُخْرِجُكُمَا مِنَ الْجَنَّةِ فَتَشْقٰى ۝

تو وہ کھی توم اہنو کو جنت سے نہ نکال دے، ورنہ توم ہشککت اہااوغے۔ یکی نہن

إِنَّ لَكَ أَلًا تَجُوعُ فِيهَا وَلَا تَعْرِىٰ ۝ وَأَنَّكَ

تومدارے لیاے یہ (نہامت) ہے کے جنت میں نہ تومہ ہل ل گتی ہے اور نہ توم ننگے اہتے اہے۔ اور یہ کے

لَا تَطْمَؤُا فِيهَا وَلَا تَضْحٰى ۝ فَوَسْوَسَ إِلَيْهِ

نہ تومہ جنت میں پھاس لگتی ہے اور نہ دھپ لگتی ہے۔ کَیر اِن کی ترکھ شیتان نے واصلسا اہلا، اہلئیس

الشَّيْطٰنُ قَالَ يَا آدَمُ هَلْ أَدُلُّكَ عَلَىٰ شَجَرَةٍ

نے کھا کے اے آادم! کیا میں تومہ اہمेशا رے اہنے کا دہرہت ہاتلارہ

الْخُلْدِ وَمَلِكٍ لَّا يَبْلٰى ۝ فَأَكَلَا مِنْهَا فَبَدَتْ

اور اےسی سلتننت جیسے کبھی اہوال نہ آاے? کَیر اِن اہنو نے اوس دہرہت سے ہا لیا، کَیر اِن کے

لَهُمَا سَوَاتِهْمَا وَطَفِقَا يَخْصِفٰنِ عَلَيْهِمَا

سامنے اِن کے پوشیادہ ستر ہل ل گئے اور وہ اہنو اپنے اہر جنت کے پتے پیکانے

مِنْ وَّرَقِ الْجَنَّةِ ۚ وَعَصٰى آدَمُ رَبَّهُ فَغَوٰى ۝ ثُمَّ

لگے۔ اور آادم (اہلئہسسالام) نے اپنے رب کے اہکھ کے ہل لایا، اور گلتی کر لی۔ کَیر

اِحْتَبِهٖ رَبُّهٗ فَتَابَ عَلَيْهِ وَهَدٰى ﴿۱۳۱﴾ قَالَ اِهْبَطَا

उन के रब ने उन्हें मुन्तपन किया, फिर उन की तौबा कबूल की और छिदायत दी. अल्लाह ने फ़रमाया

مِنْهَا جَمِيعًاۙ بَعْضُكُمْ لِبَعْضٍ عَدُوٌّۗ فَاِمَّا يَاتِيَكُمْ

के तुम सब के सब यहाँ से नीचे उतर जाओ, तुम में से एक दूसरे के दूश्मन बन कर रहोगे. फिर अगर तुम्हारे

مِّنِّى هُدًىۙ فَمِنْ اَتَّعَ هُدٰىى فَلَا يَضِلُّ

पास मेरी तरफ़ से छिदायत आये तो जो मेरी छिदायत के पीछे चलेगा तो वो न गुमराह होगा और न भटकना.

وَلَا يَشْفِىٰ ﴿۱۳۲﴾ وَمَنْ اَعْرَضَ عَن ذِكْرِىۙ فَاِنَّ لَهُۥ مَعِيشَةً

और जो मेरी नसीहत (कुर्आन) से औराज करेगा तो यकीनन उस के लिये तंग

صَنَكًاۙ وَنَحْشُرُهٗ يَوْمَ الْقِيٰمَةِ اَعْمٰى ﴿۱۳۳﴾ قَالَ رَبِّ

ज़िन्दगी होगी और हम उसे कयामत के दिन अन्धा उठाएंगे. वो कहेगा के अरे मेरे रब! तू ने मुझे अन्धा क्यूं

لَمْ حَشَرْتَنِىۙ اَعْمٰى وَقَدْ كُنْتُ بَصِيْرًا ﴿۱۳۴﴾ قَالَ كَذٰلِكَ

उठाया डालांके में बसारात वाला था. अल्लाह फ़रमाएंगे के इसी तरह तेरे पास हमारी आयतें

اَتَتْكَ اٰتِنَاۙ فَنَسِيْتَهَاۙ وَكَذٰلِكَ الْيَوْمَ تُنْسٰى ﴿۱۳۵﴾

आई थी, तो तू ने उन को भुला दिया था. और इसी तरह आज तुझे भुला दिया जायेगा.

وَكَذٰلِكَ نَجْزِىۙ مَنْ اَسْرَفَ وَلَمْ يُؤْمِنۡۙ بِاٰيٰتِ رَبِّهٖۙ

और इसी तरह हम सज़ा देंगे उस शक्स को जिस ने ज़यादती की और जो अपने रब की आयतों पर ईमान नहीं लाया.

وَ لَعَذَابُ الْاٰخِرَةِ اَشَدُّۙ وَاَبْقٰى ﴿۱۳۶﴾ اَفَلَمْ يَهْدِ لَهُمْ

और अलबत्ता आभिरत का अज़ाब वो ज़यादा सप्त है और ज़यादा बाकी रहेने वाला है. क्या फिर उन के लिये

كُمۙ اَهْلَكْنَاۙ قَبْلَهُمْۙ مِّنَ الْقُرُوْنِۙ يَبْشُرُوْنَ

छिदायत का भाईस नहीं हुई ये बात के हम ने उन से पेहले कितनी क्रोमों को उलाक किया जिन के घरों में

فِىۙ مَسْكِنِهِمْ ؕ اِنَّ فِىۙ ذٰلِكَ لٰاٰيٰتٍۙ لِّاُولِىۙ النَّهْيِ ؕ ﴿۱۳۷﴾

ये चलते हैं? यकीनन इस में निशानियां हैं अकल वालों के लिये.

وَلَوْ لَاۙ كَلِمَةٌۙ سَبَقَتْۙ مِّن رَّبِّكَ لَكَانَ لِزَامًا

और अगर एक बात जो तेरे रब की तरफ़ से पेहले से हो चुकी है, वो और मुकर्रर किया हुवा वकत न होता

وَاَجَلٌۙ مُّسَمًّى ﴿۱۳۸﴾ فَاَصْبِرۙ عَلٰى مَا يَقُوْلُوْنَ وَسَبِّحْ

तो अज़ाब लाज़िम हो जाता. इस लिये आप सभर कीजिये उन बातों पर जो वो कहते हैं और अपने रब की उम्द

۱۳۷

بِحَدِّ رَبِّكَ قَبْلَ طُلُوعِ الشَّمْسِ وَ قَبْلَ غُرُوبِهَا

کے ساتھ تشریح کی جیسے سورج کے طلوع ہونے سے پہلے اور سورج کے غروب ہونے سے پہلے۔

وَمِنْ آتَائِ اللَّيْلِ فَسَبِّحْ وَأَطْرَافَ النَّهَارِ لَعَلَّكَ

اور رات کے اوقات میں بھی آپ تشریح کی جیسے اور دن کے کناروں میں بھی تاکہ آپ رات

تَرْضَى ﴿۱۳﴾ وَلَا تَمُدَّنَّ عَيْنَيْكَ إِلَىٰ مَا مَتَّعْنَا بِهِ

ہو جائے۔ اپنی نگاہ میں آپ نہ ڈالیں ان چیزوں کی طرف جن کے ذریعے ان کی نعمتوں کو ہم نے

أَرْوَاغًا مِّنْهُمْ نَزَاهَةً الْحَيَاةِ الدُّنْيَا لِنَفْسِهِمْ

مستحق کر رکھا ہے۔ دنیاوی زندگی کی سونک سے، تاکہ ہم انہیں آزمائیں اس میں۔

فِيهِ ۖ وَرِزْقُ رَبِّكَ خَيْرٌ وَأَبْقَىٰ ﴿۱۴﴾ وَأْمُرْ أَهْلَكَ

اور تیرے رب کی روزی بہتر ہے اور بقاء دہانہ والی ہے۔ اور اپنے گھر والوں کو حکم دیجیے

بِالصَّلَاةِ وَأَصْطَبِرْ عَلَيْهَا ۖ لَا تَسْأَلْكَ رِزْقًا نَحْنُ

نماز کا اور اس پر آپ میں پابندی کیجیے۔ ہم آپ سے روزی نہیں مانگتے۔ ہم

نَرْزُقُكَ ۖ وَالْعَاقِبَةُ لِلتَّقْوَىٰ ﴿۱۵﴾ وَقَالُوا

آپ کو روزی دیتے ہیں۔ اور آخرت انجام تکوا کا ہے۔ اور انہوں نے کہا کہ اس کے رب کی طرف

لَوْلَا يَأْتِينَا بِآيَةٍ مِّن رَّبِّهِ ۖ أَوَلَمْ تَأْتِهِم بَيِّنَةٌ

سے ہمارے پاس کوئی موعظت کیوں نہیں آتا؟ کیا ان کے پاس نہیں آئے ان میں

مَّا فِي الصُّحُفِ الْأُولَىٰ ﴿۱۶﴾ وَلَوْ أَنَّا أَهْلَكْنَاهُمْ بِعَدَابِ

سے روشن موعظتات جو پہلے ساریوں میں ہیں؟ اور اگر ہم انہیں اس سے پہلے عذاب سے

مِّن قَبْلِهِ لَقَالُوا رَبَّنَا لَوْلَا أَرْسَلْتَ إِلَيْنَا رَسُولًا

بلا کر دے تو وہ کہتے کہ اے ہمارے رب! تو نے ہماری طرف کوئی رسول کیوں نہیں بھیجا کہ ہم تیری

فَنَنْبِئَ أَيْتِكَ مِنْ قَبْلِ أَنْ نَسْذِلَّ وَنَحْزِي ﴿۱۷﴾

آہٹوں کا تجربہ کرتے اس سے پہلے کہ ہم ذلیل اور رخصت ہوں۔

قُلْ كُلٌّ مُّتَرَبِّصٌ فَتَرَبَّصُوا ۚ فَسَتَعْلَمُونَ مَنْ

آپ فرما دیجیے کہ سب منتظر ہیں، تو تم میں منتظر رہو۔ پھر انکریں توہمے معلوم ہو

أَصْحَابُ الصِّرَاطِ السَّوِيِّ وَمَنِ اهْتَدَىٰ ﴿۱۸﴾

جائے گا کہ کون سیدھی راہ والے ہیں اور کون ہدایت یافتہ ہیں۔